श्रावण कृष्ण पक्ष-अमावस्या संवत् 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 38 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
12 अगस्त 2026 बुधवार

आज का मौसम
25.8 अधिकतम
23.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

ईस्टर्न बायपास सूखी सेवनिया फ्लाइओवर एप्रोच: एक सिरा धंसा, दूसरे पर भी खतरा

10 माह चले अढ़ाई कोस, इंजीनियरों ने भी माना.. पानी नीचे गया तो धंसेगा दूसरा हिस्सा

दोपहर मेट्रो स्पेशल
राजेश सिरोठिया

भोपाल। सूखी सेवनिया रेलवे फ्लाईओवर की एप्रोच रोड का एक सिरा पिछले साल करीब 75 मीटर लंबाई में धंस चुका है। एक साल बाद भी उसका पुनर्निर्माण पूरी तरह पूरा नहीं हो पाया है। अब बारिश ने फ्लाईओवर के दूसरे सिरे की एप्रोच रोड को लेकर नई और गंभीर आशंका पैदा कर दी है। आज की तस्वीर इस खतरे की कहानी खुद कह रही है। कच्ची सड़क पर बारिश का पानी जमा है और भारी वाहन उसी रास्ते से गुजर रहे हैं। समस्या सिर्फ सड़क पर पानी भरने की नहीं है। तकनीकी रूप से बड़ा सवाल यह है कि जब कच्ची एप्रोच रोड पर पानी जमा होगा तो वह नीचे रिसेगा और भराव की मिट्टी-मुरम को प्रभावित करेगा।

रोड के जिस सिरे पर यह स्थिति बन रही है, वहां रेलवे ट्रैक के किनारे पुल से लगी पक्की कंक्रीट रिटेनिंग वॉल नहीं बनाई है। यही वह बिंदु है, जिसने अब दूसरे सिरे की एप्रोच रोड के भी धंसने की आशंका बढ़ा दी। पिछले साल एक तरफ की एप्रोच रोड धंसने के बाद पुनर्निर्माण में रिटेनिंग वॉल की जरूरत को गंभीरता से लिया। धंसे सिरे पर पक्की कंक्रीट रिटेनिंग वॉल बनाई गई। रेलवे ट्रैक के रायसेन चौराहे वाले हिस्से पर भी रिटेनिंग वॉल बनाई। लेकिन दूसरे सिरे पर रेलवे ट्रैक की ओर पुल से लगी ऐसी पक्की कंक्रीट रिटेनिंग वॉल नहीं होने का सवाल अब अहम हो गया है। वरिष्ठ इंजीनियरों के अनुसार, कच्ची एप्रोच पर लगातार पानी जमा होता रहा और पानी भराव के भीतर पहुंचा तो मिट्टी-मुरम की स्थिरता प्रभावित होगी। सड़क के किनारे का हिस्सा धीरे-धीरे बैठने या धंसने का खतरा बढ़ सकता है।

एक तरफ धंसी सड़क....

18 करोड़ का काम, फिर भी सवाल वही

एमपीआरडीसी ने ईस्टर्न बायपास के इस हिस्से के पुनर्निर्माण के लिए करीब 18 करोड़ रुपये का ठेका दिया है। ठेके की समय-सीमा 15 मई तक काम पूरा करने की थी। लेकिन जुलाई माह निकल गई और पक्की सड़क अब तक पूरी तरह तैयार भी नहीं हो सकी। करीब दस महीने तक चलने वाले काम के लिए फ्लाईओवर के आसपास पर्याप्त डायवर्जन रोड बनाने के बजाय भारी वाहनों को कल्याणपुर-चोपड़ा कला के करीब 14 किलोमीटर लंबे पीएम रोड से गुजारा गया। नतीजा यह है कि एक सड़क को सुधारने का काम दूसरी सड़क की हालत बिगाड़ने का कारण बन गया। अब यदि बारिश के कारण दूसरे सिरे की एप्रोच भी प्रभावित होती है तो सवाल सिर्फ निर्माण की गति का नहीं रहेगा, बल्कि डिजाइन, जल निकासी, रिटेनिंग स्ट्रक्चर और गुणवत्ता नियंत्रण का होगा।

एक समस्या से निकलकर दूसरी की ओर...

एक तरफ पिछले साल अक्टूबर में सड़क धंसी। दूसरी तरफ उसके सुधार का काम शुरू हुआ। 15 मई की डेडलाइन निकल गई। जुलाई तक एक तरफ मोटरेबल कच्चा रास्ता तैयार हुआ। दूसरी तरफ का काम शुरू हुआ। अब बारिश में उसी कच्ची सड़क पर पानी जमा है और भारी वाहन चल रहे हैं। यानी दस महीने में चले अढ़ाई कोस वाली कहावत चरितार्थ होती दिख रही है। और अगर इस बीच दूसरे सिरे की एप्रोच भी धंस गई तो? फिर 18 करोड़ का यह पुनर्निर्माण एक सड़क को सुधारने की कहानी नहीं, बल्कि एक समस्या से निकलकर दूसरी समस्या पैदा करने की कहानी बन जाएगा।

इधर ... आशंका

MPRDC को जवाब देना होगा

- क्या दूसरे सिरे की एप्रोच रोड पर जमा हो रहे पानी की तकनीकी जांच हुई है? यह सुनिश्चित किया कि पानी एप्रोच के भराव के भीतर नहीं जा रहा?
- रेलवे ट्रैक के किनारे पक्की कंक्रीट रिटेनिंग वॉल क्यों नहीं बनाई? इस हिस्से की स्वतंत्र स्ट्रक्चरल-जियोटेक्निकल जांच कराई गई?
- पहला सिरा धंसने के बाद मरम्मत में दस महीने लग चुके हैं। अगर दूसरा सिरा भी धंस गया तो जनता को फिर कितने महीने इंतजार करना पड़ेगा?

(एमपीआरडीसी के प्रबंध संचालक भरत यादव से बात करने पर उन्होंने कहा कि सड़क मेरे कार्यकाल से पहले बनी थी। एक तरफ की कांक्रीट लाइन इंजीनियरों के इस्टीमेट के अनुसार बनाई गई। अब यह सड़क सिक्स लेन होना है। सड़क निर्माण के समय दूसरी लाइन को भी शामिल कर लिया जाएगा।)

मानसून सत्र में नहीं थम रहा टकराव

शाह बोले- हर मुद्दे पर जवाब दूंगा, चर्चा शुरू करे विपक्ष

राहुल गांधी ने कहा- भाषण नहीं सुनना, बताएं छात्रों पर गोलियां किसने चलवाईं

नई दिल्ली, एजेंसी

गृह मंत्री अमित शाह ने आज कहा, 'सरकार हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार है, लेकिन विपक्ष सदन को चलने दे। आज 3 बजे से चर्चा शुरू करें। मैं सदन में बैठूंगा, सबको सुनूंगा और कल 3 बजे सबको जवाब दूंगा।' इस पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, 'हमें उनका भाषण नहीं सुनना है। पहले ये बताएं कि जंतर-मंतर पर छात्रों पर गोलियां किसने चलवाईं। उन्होंने आदेश नहीं दिया तो वे इस्तीफा दें।'

दरअसल, विपक्ष छात्रों के आंदोलन के दौरान लाठीचार्ज के मुद्दे पर गृह मंत्री के बयान पर अड़ा है। इस कारण 17 दिनों से लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही नहीं चल पा रही है। विपक्ष का आरोप है कि शाह सदन में नहीं आ रहे हैं। शाह ने कहा कि विपक्ष दोनों सदनों को चलने नहीं दे रहा। जब संसद की कार्यवाही ही नहीं चलने दी जा रही है तो सदन में जाने का क्या मतलब है। सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। अब जनता तय करे कि वास्तव में कौन भाग रहा है।

आज दोपहर 3 बजे से कल दोपहर 3 बजे तक सरकार हर तरह की चर्चा के लिए तैयार है। वह सदन में मौजूद रहेंगे, सभी की बातें सुनेंगे और हर सवाल का जवाब देंगे।

सरकार के पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है। वह इस मुद्दे पर चर्चा के साथ-साथ इस बात पर भी चर्चा करने के लिए तैयार हैं कि विपक्ष चर्चा क्यों नहीं करना चाहता।

अपनी पुरानी ही बात पर अड़ा है विपक्ष

राहुल ने कहा- स्टूडेंट्स को गोली किसने मारी? स्टूडेंट्स को कीलों वाली लाठियों से पीटने का ऑर्डर किसने दिया? क्या अमित शाह ने हमारे बच्चों को गोली मारने का ऑर्डर दिया था? अगर उन्होंने दिया है, तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।

उनके घर के सामने हजार पुलिस वाले खड़े होते हैं। 30 गाड़ियां उनके आगे पीछे होती हैं कि कहीं कोई बच्चा न आ जाए। पिछले 20 दिनों से अमित शाह गायब हैं। गृह मंत्री में हिम्मत नहीं है। वह सदन में नहीं आ सकते।

बांधों में तेजी से बढ़ी आवक, कई जलाशयों के गेट खुले

प्रदेश में उफनी नदियों का रौद्र रूप

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में पिछले 72 घंटे से जारी भारी बारिश ने कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात पैदा कर दिए हैं। नदियां और नाले उफान पर हैं, निचले इलाकों में पानी भर गया है और कई जलाशयों में तेजी से बढ़ रही आवक के कारण अतिरिक्त पानी छोड़ना पड़ रहा है। भोपाल सहित कई जिलों में प्रशासन को राहत और बचाव दल अलर्ट पर रखने पड़े हैं।

सबसे महत्वपूर्ण स्थिति नर्मदा और उसके जलग्रहण क्षेत्र में दिखाई दे रही है। नर्मदापुरम में सेठानी घाट का जलस्तर पिछले 48 घंटे में करीब 10 फीट बढ़कर 946.40 फीट तक पहुंचने की रिपोर्ट है। इसी अवधि में तवा बांध के जलस्तर में लगभग 8.5 फीट की वृद्धि दर्ज की गई और जलस्तर करीब 1137.70 फीट बताया गया है।

बांधों पर बढ़ा दबाव

बारिश के साथ जलाशयों में पानी की आवक बढ़ने से कई बांधों से नियंत्रित तरीके से पानी छोड़ा जा रहा है। शिवपुरी के अटल सागर-मड़ीखेड़ा बांध के गेट खोले जाने की सूचना है। इसी तरह नर्मदा घाटी के इंदिरा सागर और ओंकारेश्वर जलाशयों में भी बढ़ती आवक के कारण जल निकासी की स्थिति बनी है।

मंदसौर में शिवना नदी के बढ़ते जलस्तर के बीच कालाभाटा बांध के दो गेट खोले गए हैं। खरगोन क्षेत्र में अपर वेदा जलाशय से भी अतिरिक्त पानी छोड़े जाने की सूचना है। आगर-मालवा के कुंडालिया तथा उमरिया के जोहिला क्षेत्र में भी जलस्तर और जलप्रवाह बढ़ने से प्रशासन को सतर्क रहना पड़ा है।

अलग-अलग नदी घाटियों में एक साथ पानी बढ़ रहा है। एक ओर नर्मदा बेसिन में तवा, बरगी, इंदिरा सागर और ओंकारेश्वर जैसे बड़े जलाशय हैं, वहीं दूसरी ओर बेतवा, सिंध, शिवना और अन्य नदियों के जलस्तर में भी वृद्धि हो रही है।

लगातार बारिश से उफनती नर्मदा।

भोपाल में तीन दिन में 10 इंच

राजधानी भोपाल में लगातार बारिश के कारण बड़ा तालाब करीब 1663 फीट तक पहुंच गया है। तीन दिन में 10 इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी है। एक दिन में लगभग पौने फीट की वृद्धि बताई गई है। केरवा, कोलार और कलियासोत जलाशयों में भी पानी की आवक बढ़ी है।

आंकड़ों का संदेश

नर्मदापुरम : 48 घंटे में करीब 10 फीट की वृद्धि
तवा बांध : करीब 48 घंटे में 8.5 फीट की वृद्धि
भोपाल : 72 घंटे में करीब 10.3 इच बारिश

बड़ी चिंता-अभी बारिश थमी नहीं

मौजूदा स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह नहीं है कि कोई बांध अभी कितने प्रतिशत भरा है, बल्कि यह है कि अगले 24 से 48 घंटे में उसकी आवक कितनी बढ़ती है और कितना पानी छोड़ा जाता है। इंदिरा सागर और ओंकारेश्वर में पानी की आवक बढ़ने पर खंडवा, खरगोन और नर्मदा किनारे के निचले क्षेत्रों में सतर्कता जरूरी हो जाती है।

ट्विशा शर्मा केस

गिरिबाला ने हाईकोर्ट से मांगी जमानत, आज सुनवाई

जबलपुर, एजेंसी। मॉडल ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में जेल में बंद उनकी सास और भोपाल जिला एवं सत्र न्यायालय की रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह ने जमानत के लिए मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उनकी जमानत याचिका पर आज सुनवाई संभावित है। इससे पहले जिला एवं सत्र न्यायालय ने दहेज हत्या के आरोप में उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। गिरिबाला सिंह ने हाईकोर्ट में दायर याचिका में अपनी बढ़ती उम्र, खराब स्वास्थ्य और बुजुर्ग मां की देखभाल की जिम्मेदारी का हवाला देते हुए राहत मांगी है। याचिका में उन्होंने यह भी दावा किया है कि उनकी दिवंगत बहू ट्विशा शर्मा के साथ उनके संबंध मधुर थे और दोनों के बीच किसी तरह का विवाद नहीं था।

भोजशाला मामला

सुप्रीम कोर्ट में आज सुनेगा मुस्लिम पक्ष की 5 याचिकाएं

धार, एजेंसी। प्रदेश के धार जिले की ऐतिहासिक भोजशाला से जुड़े मामले में आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। यह सुनवाई इंदौर हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ मुस्लिम समाज की ओर से दायर 5 याचिकाओं पर होगी। पहले 5 और 6 अगस्त को सुनवाई होनी थी, लेकिन सुनवाई नहीं हो सकी थी। दरअसल, 15 मई 2026 को इंदौर हाईकोर्ट ने भोजशाला को मां सरस्वती का मंदिर घोषित करते हुए हिंदू समाज को वहां रोजाना पूजा करने की अनुमति दी थी। इस फैसले के खिलाफ मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों ने सुप्रीम कोर्ट में पांच याचिकाएं दायर की हैं।

224 यात्री सवार थे, पायलट को इंजन फेल होने का अंदेशा हुआ

इंडिगो फ्लाइट के इंजन में खराबी, चेन्नई में इमरजेंसी लैंडिंग

चेन्नई, एजेंसी। चेन्नई एयरपोर्ट पर मंगलवार देर रात एक इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। फ्लाइट कोलकाता से चेन्नई आ रही थी। फ्लाइट चेन्नई में लैंड करने वाली थी, तभी पायलट ने महसूस किया कि बायां इंजन फेल हो गया है।

उसने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद चेन्नई एयरपोर्ट पर रात 11:29 बजे फुल इमरजेंसी घोषित की गई। इसके बाद फ्लाइट की सुरक्षित लैंडिग हुई। विमान में 224 लोग सवार थे। एयरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक, इंडिगो की फ्लाइट 6ई-723 रात 9:15 बजे कोलकाता से रवाना होनी थी, लेकिन यह करीब 25 मिनट की देरी से रात 9:39 बजे रवाना हुई। विमान को रात 11:30 बजे चेन्नई पहुंचना था। रनवे पर उतरने से ठीक पहले पायलट को एहसास हुआ कि बाएं इंजन में खराबी आ गई है।

आज का कार्टून

मेट्रो एंकर

गुजरात के 'बैक टू स्कूल' अभियान में शिक्षकों की मेहनत रंग लाई

घर संभालने और मजदूरी में लगे 9 हजार बच्चों को स्कूल ले आए टीचर्स

अहमदाबाद, एजेंसी

गरीबी, पारिवारिक जिम्मेदारियों या सामाजिक बंदिशों के चलते कई बच्चे पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। लेकिन शिक्षकों का जज्बा और सरकार की नीतियां मिल जाएं तो बड़ी से बड़ी रुकावट भी दूर हो जाती है। ऐसा ही कुछ कर दिखाया है अहमदाबाद के सरकारी और नगर निगम स्कूलों के शिक्षकों ने। गुजरात शिक्षा विभाग के 'बैक टू स्कूल' अभियान के तहत अहमदाबाद में पढ़ाई छोड़ चुके 86 फीसदी बच्चों को वापस स्कूल पहुंचाया गया है।

मई-जून 2026 के दौरान चलाए गए इस अभियान के तहत शिक्षकों ने अपनी छुट्टियों की परवाह किए बिना घर-घर जाकर उन बच्चों को ढूंढ निकाला, जो कभी सब्जी बेच रहे थे तो कभी घर के कामों में लगे थे। माता-पिता को समझाने में समय जरूर लगा कि बच्चा कोई 'कमाई का जरिया' नहीं है, बल्कि उसकी असली जगह स्कूल में है। शिक्षकों के इसी अडिग प्रयास का नतीजा है कि आज हजारों मासूम फिर से अपने हाथों में किताबें थामे नजर आ रहे हैं।

गुजरात सरकार ने बीते शैक्षणिक सत्र में राज्यभर के 44,000 सरकारी और अनुदान प्राप्त स्कूलों से करीब 6.41 लाख ऐसे बच्चों की पहचान की थी, जिन्होंने पढ़ाई छोड़ दी थी। इसके बाद मई-जून 2026 में 'बैक टू स्कूल' अभियान की शुरुआत की गई। अकेले अहमदाबाद शहर की बात करें तो चिन्हित किए गए 10,387 ड्रॉपआउट बच्चों में से 9,036 बच्चों को सफलतापूर्वक दोबारा स्कूलों में दाखिला दिलाया गया। यह सफलता इतनी आसान नहीं थी। वासना नगर निगम स्कूल की हेड टीचर नीताबेन भद्रेशा जैसी टीचर्स ने भीषण गर्मी में अपने स्कूटर पर घूम-घूमकर बच्चों के पते तलाशे। कई बच्चे सुबह मंडी में काम करते थे और शाम को सड़कों पर सब्जी बेचते थे। बच्चों के माता-पिता उन्हें काम पर लगाने के लिए जिद करते थे, लेकिन शिक्षकों ने बार-बार उनसे मुलाकात की। उन्हें समझाया कि बच्चों की पढ़ाई उनके और परिवार के बेहतर भविष्य के लिए कितनी जरूरी है।

लड़कियों की वापसी सबसे मुश्किल

कई इलाकों के स्कूलों में शिक्षकों को अलग तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ा। जहांगीरपुरा स्कूल के शिक्षक सुकेतुभाई याग्निक बताते हैं कि उनके 37 ड्रॉपआउट स्टूडेंट्स में से ज्यादातर लड़कियां थीं। 8वीं के बाद कई पेरेंट्स सोशल रूढ़ियों के कारण लड़कियों को घर के काम में लगा देते थे। कई परिवार काम की तलाश में बार-बार अपने रहने का ठिकाना और मोबाइल नंबर बदल लेते थे, जिससे उन्हें ढूंढना बड़ी चुनौती बन गया था। शिक्षकों के इस अभूतपूर्व और मानवीय प्रयास की हर तरफ सराहना हो रही है और ड्रॉपआउट बच्चों को वापस लाने में सफलता हासिल करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया है।

राजा भोज मल्टीक्लास नेशनल सेलिंग चैंपियनशिप-3.0 के लिए देशभर से आए खिलाड़ी, 16 अगस्त तक दिखाएंगे अपनी प्रतिभा

झीलों की नगरी में जुटे 100 सेलिंग खिलाड़ी, हवा को ताकत बना पानी पर करेंगे अठखेलियां

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी के बोट क्लब में राजा भोज मल्टीक्लास नेशनल सेलिंग चैंपियनशिप-3.0 की शुरुआत हो चुकी है। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों से 100 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के सेलिंग खिलाड़ी 16 अगस्त तक प्रतिभा दिखाएंगे। यहां उनकी जो रैंकिंग तय होगी, उससे अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व करने की दिशा मिलेगी। शुभारंभपर खेल मंत्री विश्वास सारंग ने कहा, भोपाल की झीलें सिर्फ पर्यटन और प्राकृतिक सौंदर्य का केंद्र नहीं है। यहां से देश-दुनिया के खिलाड़ी तैयार होंगे। भोपाल वाटर स्पोर्ट्स का केंद्र बन रहा है। बड़ा तालाब और यहां की स्थितियां सेलिंग, रोइंग, कयाकिंग और केनोइंग जैसे खेलों के लिए बेहतर है।

- मध्यप्रदेश वाटर स्पोर्ट्स अकादमी के खिलाड़ियों ने 37 इंटरनेशनल स्पर्धाओं में हिस्सा लिया।
- 28 इंटरनेशनल और 69 राष्ट्रीय पदक जीते।
- 2025 की राजा भोज मल्टीक्लास सेलिंग चैंपियनशिप में मप्र टीम ने शानदार किया।
- 16 पदक जीते। इनमें 8 स्वर्ण, 5 रजत, 3 कांस्य।
- प्रतियोगिता की 12 में से 8 कैटेगरी में मप्र के खिलाड़ियों ने स्वर्ण जीते थे।

भोपाल बन रहा देश का प्रमुख वाटर स्पोर्ट्स केंद्र

मंत्री सारंग ने कहा, मध्यप्रदेश राज्य जल क्रीड़ा अकादमी की स्थापना वर्ष 2007 में हुई थी और आज यह देश की प्रमुख वाटर स्पोर्ट्स प्रशिक्षण संस्थाओं में शामिल है। अकादमी में सेलिंग, रोइंग, कयाकिंग, केनोइंग और स्लालम की सुविधाएं उपलब्ध हैं। यहां प्रशिक्षित खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश तथा देश का नाम रोशन किया है।

राजधानी में रिहायशी इलाकों में कमर्शियल एक्टिविटी अफसरों की लापरवाही से ही शुरू हुई

मास्टर प्लान ठंडे बस्ते में, निगम खजाना भरता रहा...वर्टिकल की बजाय हॉरिजेंटल फैला शहर

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी नगर निगम और प्रशासनिक अफसरों की अकर्मण्यता और अदूरदर्शिता की भारी कीमत चुका रही है। शहर को सुनियोजित ढंग से 'वर्टिकल' (ऊंचाई में) विकसित करने के बड़े-बड़े दावे और योजनाएं केवल कागजों और फाइलों तक सीमित रह गईं। हकीकत में, नगर निगम अपना खजाना भरने के चक्कर में रिहायशी इलाकों में व्यावसायिक गतिविधियों को छूट देता रहा, जिसके चलते भोपाल ज़मीन पर बेढंगे तरीके से 'हॉरिजॉन्टल' ही फैलता चला गया। अफसरों की नींद और मास्टर प्लान के ठंडे बस्ते में पड़े रहने के कारण आज शहर की लगभग 1200 कॉलोनियों में अवैध कारोबार पसरा हुआ है और आम नागरिकों का जीना दूभर हो चुका है। लोगों को सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचना पड़ रहा है। जिन्होंने सुकून की तलाश में वाहनों की चिल्लपौं से दूर हरियाली के बीच जीवन गुजारने के लिए लाखों-करोड़ों रुपए खर्च कर प्लॉट खरीदे। उन प्लॉट्स पर सपनों का महल खड़ा किया। अब वहां गाड़ियों का शोर है। चमचमाते मॉल ऑर शॉपिंग कॉम्प्लेक्स खुले गए। यहीं से रिहायशी क्षेत्र में लोगों की दिन और रातों की नींद उड़ गई। उनकी बेचैनी बढ़ती गई। हद तो यह है कि इन कमर्शियल एक्टिविटी की रहवासियों ने न जाने कहां-कहां और किन-किन अफसरों से शिकायत की। लेकिन अफसर निगम का खजाना भरने के चक्कर में व्यावसायिक कर वसूलते रहे।

खजाना भरने की तिकड़म और घरों को बनाया दुकान

नगर निगम करोड़ों रुपए का बकाया संपत्तिकर वसूलने में पूरी तरह नाकाम रहा। इस नाकामी को छिपाने और निगम का खजाना भरने के लिए अफ़सरों ने एक नया शॉर्टकट निकाला। आवासीय क्षेत्रों में खुली अवैध दुकानों से व्यावसायिक दरों पर टैक्स वसूलना शुरू कर दिया गया और व्यावसायिक लाइसेंस बांटे गए। 'वॉकिंग डिस्टेंस' पर घर, दुकान और दफ़्तर उपलब्ध कराने के लुभावने विचार की आड़ में असल में लोगों के शांत घरों को ही दुकानों में बदलने की छूट दे दी गई। नतीजा यह हुआ कि कॉलोनियों की शांति भंग हो गई, सड़कों पर पार्किंग का संकट आ गया और रिहायशी इलाके कमर्शियल हब में तब्दील हो गए।

राजस्व लालच और भू-उपयोग की बलि

विशेषज्ञों की मानें तो नगर निगम के अफ़सरों की प्राथमिकता केवल राजस्व जुटाना ही रही। उन्हें भू-उपयोग के नियमों का पालन कराना कभी याद ही नहीं रहा। यदि कमर्शियल लाइसेंस जारी करते समय या टैक्स लेते समय अफ़सर जमीनी भू-उपयोग की स्थिति देख लेते तो तुरंत नोटिस जारी कर देते। ऐसा करने भर से ही आज शहर की कॉलोनियों में यह अफरातफरी नहीं मची होती। अफ़सरों के इस अंधे रवैये के कारण ही आज आवासीय कॉलोनियों में अव्यवस्था फैली है और लोग परेशान हैं।

कागजी एफएआर : आसमान छूने की बातें, हकीकत में जमीन पर ब्रेक

शहर के विकास को दिशा देने वाला एफएआर का गणित केवल कागजी बाजीगरी बनकर रह गया।

- **2005 का मास्टर प्लान :** इसमें 1000 वर्गफीट की जमीन पर अधिकतम 1225 वर्गफीट निर्माण की अनुमति तय की थी।
- **2021 के मास्टर प्लान का अधूरा सपना :** वर्ष 2007 में 2021 के मास्टर प्लान पर काम शुरू हुआ। प्रस्ताव था कि 18 मीटर या उससे चौड़ी सड़कों के किनारे एफएआर बढ़ाकर 3 कर दिया जाए। अगर ज़मीन के क्षेत्रफल से तीन गुना निर्माण की अनुमति मिलती, तो शहर में हाई-राइज (ऊंची) इमारतें बनतीं। इससे कम जगह में अधिक आबादी और दुकानों का सुव्यवस्थित समायोजन हो पाता।
- **असली खेल :** यह नया एफएआर कभी ज़मीन पर लागू ही नहीं हो सका। अधिकारी मास्टर प्लान को ठंडे बस्ते में डाले रहे, जिससे वर्टिकल विकास की योजनाएं फाइलों में ही दम तोड़ गईं।

जब एफएआर को बनाया धंधा'

वर्ष 2012 में जब मास्टर प्लान ड्राफ्ट 2021 को नए सिरे से तैयार किया जाने लगा, तब योजना थी कि अतिरिक्त एफएआर देकर आवासीय क्षेत्रों में कुछ चिह्नित स्थान व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए तय करें। लेकिन टीएंडसीपी के अफ़सरों ने योजनाबद्ध विकास करने के बजाय अतिरिक्त एफएआर की 'खरीदी-बिक्री' के प्रावधान बनाए। यानी व्यवस्थित ढांचे के बजाय एफएआर को कमाई का ज़रिया बनाया।

अब सवालों में अफसरशाही

सरकारी एजेंसियों के बीच तालमेल की कमी ने इस समस्या को और विकराल बना दिया है। पूर्व राज्य प्रशासनिक अधिकारी वीके चतुर्वेदी की मानें तो एजेंसियों को अधिक समन्वित होकर काम करने की जरूरत है। यदि किसी स्तर पर वर्टिकल विकास की योजना है तो सबको इसके अनुसार ही योजना बनाना चाहिए। सिर्फ राजस्व के लिए काम करना ठीक नहीं है।

भोपाल संभाग के 12 डाक घरों में सुविधा

रक्षाबंधन पर डाक विभाग का तोहफा राखी भेजने पर 10% छूट

भोपाल। दोपहर मेट्रो

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर दूर-दराज बैठे भाइयों तक स्नेह का धागा पहुंचाने वाली बहनों के लिए भारतीय डाक विभाग ने एक विशेष राहत की घोषणा की है। डाक विभाग द्वारा राखी भेजने के शुल्क में 10 प्रतिशत की विशेष छूट प्रदान की जा रही है।त्योहारी सीज़न में डाकघरों में होने वाली संभावित भीड़ और समय की बचत को ध्यान में रखते हुए व्यापक प्रबंध किए गए हैं। भोपाल संभाग के 12 प्रमुख डाकघरों में केवल राखी बुकिंग के लिए विशेष काउंटरों की व्यवस्था की गई है। साथ ही, प्रधान डाकघरों में विशेष राखी बॉक्स भी रखवाए गए हैं, ताकि राखियों की छंटाई और वितरण बिना किसी देरी के प्राथमिकता के आधार पर हो सके।

एआई इमेज

लिफाफे पर राखी मेल जरूर लिखें

प्रवर अधीक्षक डाकघर (भोपाल संभाग) जेएस राजपूत ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य बहनों द्वारा भेजी गई राखियों को उनके भाइयों तक पूरी सुरक्षा और समय पर पहुंचाना है। इस छूट का लाभ उठाने के लिए लिफाफे पर 'राखी मेल' लिखना अनिवार्य होगा।

पश्चिम मध्य रेल का प्रयोग

रेलवे के देसी जुगाड़ ने बढ़ाई रफ्तार अब हादसों में खराब नहीं होंगे इंजन

भोपाल। दोपहर मेट्रो

पश्चिम मध्य रेल ने ट्रेनों के इंजन को सुरक्षित रखने के लिए एक नया और आसान तरीका अपनाया है। रेलवे ने इंजन में लगे एयर ड्रायर को नुकसान से बचाने के लिए विशेष सेफ्टी प्लेट तैयार की है। अब तक यह प्लेट 178 लोकोमोटिव में लगाई जा चुकी है। इंजन के नीचे लगे एयर ड्रायर को कई बार पशु से टकराने या किसी अन्य बाहरी झटके से नुकसान पहुंचने का खतरा रहता था। इसके कारण एयर ड्रायर के साथ पाइप और बिजली की तारें भी खराब हो सकती थीं।ऐसी स्थिति में इंजन को मरम्मत के लिए रोकना पड़ता था और इसमें समय लगता था। इसे देखते हुए इंजीनियरों ने सेफ्टी प्लेट बनाई है। इसे इंजन के कैटल गार्ड पर लगाया गया है। इससे बाहरी झटके की स्थिति में एयर ड्रायर को अतिरिक्त सहारा मिलेगा।

झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर आरोपियों ने की थी वारदात

फर्जी पुलिस बनकर होटल में युवक-युवती से रुपए लूटने वाली महिला और तीन युवक गिरफ्तार, एक अब भी फरार

भोपाल। दोपहर मेट्रो

एक महिला और तीन युवक फर्जी पुलिसकर्मी बनकर होटल पहुंचे। बदमाशों ने युवक-युवती को झूठे केस में फंसाने की धमकी दी और जमकर रुपए वसूल लिए। घटना निशातपुरा थाना क्षेत्र के एक होटल की है। आरोपी महिला बदमाशों की मदद करने होटल पहुंची थी। आरोपियों ने डराकर युवक से पूछताछ की और एडमिन के जरिए रुपए मांगे। देर रात वारदात को अंजाम देकर आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने महिला समेत 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक फरार है।

पूछताछ के बहाने आए

पुलिस के मुताबिक युवक-युवती एक होटल में ठहरे हुए थे। तभी आरोपी फर्जी पुलिसकर्मी बनकर होटल पहुंचे। कहा-पूछताछ करने आए हैं। युवक-युवती को झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर रुपए लूट लिए।

परेशान युवती के साथ होटल गया था युवक

पुलिस के मुताबिक बरखेड़ी खुदा निवासी विकासी के साथ युवक ने शिकायत की, विकास पेंट सिटी कोचिंग की दुकान के साथ राजमाउंटी कॉलोनी वरेला रोड के बीच स्थित एक होटल में कमरा बुक किया था। शाम 6 बजे महिला व युवक आए और धमकाने लगे। उनसे एक युवक ने खुद को पुलिसकर्मी बताया।

धमकी-तस्वीर वायरल कर दूंगा

खुद को पुलिसकर्मी बताकर युवक धमकाने लगा। उसने महिला और युवक से कहा कि वह उनकी आपत्तिजनक फोटो खींचकर वायरल कर देगा।आरोपी ने युवक और युवती को धमकी देकर मोबाइल नंबर पर ऑनलाइन रुपए ट्रांसफर करा लिए। पुलिस मोबाइल नंबर के आधार पर जांच शुरू की।

संघ ने लिखा मुख्यमंत्री और राजस्व मंत्री को पत्र

भोपाल में खाली पड़े हैं नायब तहसीलदार के पद राजस्व निरीक्षकों ने उठाई पदोन्नति की मांग

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में राजस्व निरीक्षक संवर्ग की पदोन्नति का मुद्दा एक बार फिर सामने आया है। मप्र राजस्व निरीक्षक संघ, जिला भोपाल ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा को पत्र भेजकर नायब तहसीलदार के रिक्त पदों पर राजस्व निरीक्षकों को पदोन्नति देने की मांग की है। संघ का कहना है कि लंबे समय से पदोन्नति का इंतजार कर रहे राजस्व निरीक्षकों को अवसर मिलने से न केवल उनका मनोबल बढ़ेगा, बल्कि प्रशासन पर अतिरिक्त वित्तीय भार भी न्यूनतम रहेगा। संघ के

संघ के जिलाध्यक्ष प्रदीप यादव, संगठन मंत्री विवेक पंचोरे सहित अन्य सदस्यों ने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि नायब तहसीलदार के रिक्त पदों को राजस्व निरीक्षक संवर्ग की पदोन्नति से भरने की मांग की है। उन्होंने दावा किया कि पदों पर भर्तियां न होने से राजस्व के काम प्रभावित हो रहे हैं।

पत्र में ये लिखा

संघ ने मुख्यमंत्री, राजस्व मंत्री और कलेक्टर भोपाल को लिखे पत्र में कहा है, अभी नायब तहसीलदार के स्वीकृत पदों में सीमित भर्ती परीक्षा के माध्यम से होने वाली नियुक्तियों के अलावा बड़ी संख्या में पद रिक्त हैं। राजस्व निरीक्षक संवर्ग में भी बड़ी संख्या में कर्मचारी पदोन्नति की प्रतीक्षा कर रहे हैं। नायब तहसीलदार के स्वीकृत पदों में 38 पद सीमित भर्ती परीक्षा से और 22 पद राजस्व निरीक्षक से पदोन्नति के लिए तय हैं। नायब तहसीलदार के 69 पद सीधी भर्ती व 43 पद राजस्व निरीक्षकों की पदोन्नति से संबंधित हैं। ऐसे में बड़ी संख्या में पद खाली हैं।

मेट्रो एंकर

एआई डिवाइस से बदलेगी ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा की तस्वीर

15 अगस्त को राष्ट्रपति भवन में चमकेगा भोपाल का 'अन्वेषण'

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल में एक नवाचार हुआ और यह निकलकर देश सर्वोच्च मंच तक पहुंच गया है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में हुए इस नवाचार से न सिर्फ जीवन बचाने में मदद मिलेगी, सुदूर गांवों में भी सेहत की कक्षा लगाई जा सकती है। यह ग्रामीण अंचलों के लिए वरदान साबित हो सकता है। इसी उपलब्धि को देखते हुए जामना हेल्थटेक प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक अभिषेक चौकसे को उनके अत्याधुनिक एआई-सक्षम पोर्टेबल हेल्थ मॉनिटरिंग डिवाइस 'अन्वेषण' के लिए 15 अगस्त 2026 को राष्ट्रपति भवन में आयोजित विशेष भोज का विशेष निमंत्रण मिला है। राष्ट्रपति द्वारा मिलने

वाला यह सम्मान ग्रामीण और सुदूर क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के कायाकल्प की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। खास यह है कि इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल किया गया है। यह तकनीक लोगों का जीवन बचाने और बेहतर इलाज मुहैया कराने में कारगर भूमिका निभाएगी। समय रहते मरीज हायर सेंटर तक पहुंच सकेंगे।

क्या और क्यों खास है यह अन्वेषण?

दूरस्थ इलाकों, जहां बड़े अस्पताल और विशेषज्ञ डॉक्टर आसानी से उपलब्ध नहीं होते, वहां प्राथमिक स्तर पर सटीक जांच पहुंचाने के लिए 'अन्वेषण' को डिजाइन किया गया है। यह एक पोर्टेबल तकनीक है जिसे स्वास्थ्यकर्मी आसानी से गांवों और दूरस्थ क्षेत्रों तक ले जा सकते हैं। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक का प्रयोग किया गया है। यह मरीजों के स्वास्थ्य आंकड़ों का आकलन करती है। इससे प्राथमिक स्तर पर ही मरीज की स्थिति का सही अंदाज़ा लगाकर समय रहते उसे उच्च स्वास्थ्य केंद्र में रेफर करने में मदद मिलेगी।

ये हैं क्षमताएं और तकनीकी विशेषताएं

मल्टी-पैरामीटर जांच: यह छोटा सा यंत्र एक साथ ब्लड प्रेशर, पल्स, हृदय गति, बॉडी टेम्परेचर, एसपीओटू (ऑक्सीजन लेवल), ब्लड शुगर और हीमोग्लोबिन की सटीक जांच कर सकता है।

एआई 12-लीड ईसीजी: इसमें ईसीजी मॉनिटरिंग के लिए एआई आधारित 12-लीड सिस्टम मौजूद है।

डुअल कैमरा व लाइव इमेजिंग: डिवाइस में डुअल कैमरा सिस्टम (वीडियो कॉल व कैमरा-स्कोप) दिया गया है, जिससे कान, नाक, गला, आंख और त्वचा की लाइव हाई-क्वालिटी इमेज सीधे डॉक्टर को भेजी जा सकती है।

रियल-टाइम वीडियो कनेक्टिविटी: मरीज और विशेषज्ञ डॉक्टर के बीच तुरंत वीडियो कॉल स्थापित कर रिमोट क्लीनिकल असेसमेंट संभव बनाता है।

व्यापक उपयोग की संभावना: इसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, आंगनबाड़ी, ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र और एम्बुलेंस जैसी आपातकालीन सेवाओं में आसानी से तैनात किया जा सकता है। इसका फायदा जीवन बचाने में किया जा सकता है।

मातृ-शिशु सुरक्षा: गर्भवती महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य की समय पर निगरानी की जा सकती है। विशेषज्ञ डॉक्टरी सलाह दिलाने में इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

नीट यूजी काउंसलिंग: दो निजी कॉलेज भी जुड़े

सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 3020 सीटों पर दाखिला

भोपाल। दोपहर मेट्रो

निजी और सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस सीटों पर दाखिले के लिए चल रही नीट यूजी काउंसलिंग में सीट चार्ट जारी किया गया। प्रदेश के 34 मेडिकल कॉलेज में कुल 6020 एमबीबीएस सीटों पर दाखिला दिया जाएगा। बीते साल के मुकाबले इस बार एमबीबीएस की सीटें बढ़ गई हैं। बीते साल 32 कॉलेजों में 5550 सीटें थीं। इस बार सीटें बढ़ने का कारण दो नए निजी कॉलेजों को काउंसलिंग में शामिल करना है। इस बार चिकित्सा शिक्षा विभाग ने महावीर मेडिकल कॉलेज और मानसरोवर मेडिकल कॉलेज को भी काउंसलिंग में शामिल किया है। 15 अगस्त से रजिस्टर्ड अभ्यर्थी चॉइस फिलिंग व सीट लॉकिंग कर सकते हैं। सीट आवंटन 20 अगस्त को होगा। काउंसलिंग में शामिल 34 मेडिकल कॉलेजों में से 20 सरकारी और 14 निजी कॉलेज हैं। इनमें सरकारी कॉलेजों में 3020 और निजी में 3000 यूजी सीट हैं, हालांकि एमपी के छात्रों को 4409 सीटों पर ही प्रवेश मिलेगा।

भोपाल में ज्यादा सीटें

भोपाल में एमबीबीएस की ज्यादा सीटें हैं। यहां 1 सरकारी व 5 निजी कॉलेज हैं। भोपाल में एमबीबीएस की 1300 सीटें हैं। सीहोर में भी दो कॉलेजों में 300 यूजी सीटें हैं।

12 किलोमीटर सड़क निर्माण पर उठे सवाल, मलबा खेतों में पहुंचा; ग्रामीणों ने जांच और कार्रवाई की मांग की

बारिश ने खोली विकास के दावों की पोल, तीन साल में ही ढह गया 7 करोड़ का पुल

डिंडोरी/भोपाल, दोपहर मेट्रो

जिले में लगातार हो रही बारिश ने करोड़ों रुपये की लागत से कराए गए सड़क और पुल निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत करीब तीन साल पहले कठोतिया-चाबी मुख्य मार्ग से कुसेरा गांव तक लगभग 7 करोड़ रुपये की लागत से 12 किलोमीटर लंबी सड़क बनाई गई थी। लेकिन बारिश के दबाव में धमनी गांव के पास बना पुल का एक हिस्सा अचानक धराशायी हो गया। पुल के टूटने के बाद सड़क और पुल का मलबा बहकर आसपास के किसानों के खेतों तक पहुंच गया। इससे खेतों में खड़ी फसल को भी नुकसान पहुंचने की बात सामने आई है। घटना के बाद ग्रामीणों में नाराजगी है और निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क और पुल निर्माण के दौरान निर्धारित गुणवत्ता मानकों का पालन नहीं किया गया। उनका कहना है कि यदि निर्माण कार्य मजबूत और मानकों के अनुरूप हुआ होता तो महज तीन साल में सड़क और पुल की ऐसी हालत नहीं होती।

'जांच के बजाय सिर्फ मरम्मत से दबाया जा रहा मामला'

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि मामला सामने आने के बाद संबंधित विभाग के जिम्मेदार अधिकारी निर्माण की गुणवत्ता और कथित अनियमितताओं की जांच कराने के बजाय केवल मरम्मत कराने पर जोर दे रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सिर्फ टूटे हिस्से की मरम्मत से सवाल खत्म नहीं होंगे। पूरे निर्माण कार्य की जांच जरूरी है।

भुरका का पुल भी दे रहा हादसे का संकेत

इसी मार्ग पर भुरका गांव के पास बना पुल भी जर्जर हालत में पहुंच चुका है। ग्रामीणों के मुताबिक पुल की स्थिति कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। इस मार्ग से रोजाना गुजरने वाले लोगों में भी दुर्घटना की आशंका बनी हुई है।

तीन साल में ही जवाब दे गया 'करोड़ों का विकास' | करीब 7 करोड़ रुपये की लागत से बनी 12 किलोमीटर सड़क और उसके पुल का इतनी कम अवधि में खराब होना कई गंभीर सवाल खड़े करता है। क्या निर्माण के दौरान सामग्री और गुणवत्ता की सही जांच हुई थी? अगर जांच हुई थी तो इतनी जल्दी सड़क और पुल की स्थिति खराब होने की जिम्मेदारी किसकी है?

ग्रामीणों ने रखी जांच और मुआवजे की मांग

ग्रामीणों ने पूरे निर्माण कार्य की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। साथ ही निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की जांच, दोषी अधिकारियों और ठेकेदारों की जिम्मेदारी तय करने, किसानों को फसल नुकसान का उचित मुआवजा देने और भुरका पुल की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है। अब निगाहें जिम्मेदार विभाग पर हैं कि वह बारिश से सामने आई निर्माण की खामियों की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई करता है या फिर महज मरम्मत के जरिए मामले को खत्म कर दिया जाता है।

राज्य वन्य प्राणी बोर्ड की 32वीं बैठक में सीएम मोहन ने दिए निर्देश

वन पर्यटन को दें रफ्तार, संबंधित विभाग के साथ मिलकर तैयार करें ठोस कार्ययोजना

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में तेजी से बढ़ रही पर्यटन संभावनाओं को देखते हुए वन पर्यटन के विकास पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की प्राकृतिक संपदा, समृद्ध जैव विविधता और वन्यजीव पर्यटन की अपार संभावनाओं का बेहतर उपयोग कर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति दी जा सकती है। इसके लिए वन विभाग और पर्यटन विभाग आपसी समन्वय से उन क्षेत्रों को चिन्हित करें, जहां वन पर्यटन के विकास और विस्तार की पर्याप्त संभावनाएं हैं। इन क्षेत्रों के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार कर समयबद्ध तरीके से उसका क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। सीएम ने यह निर्देश मध्यप्रदेश राज्य वन्य प्राणी बोर्ड की बैठक में दिए। बैठक में राष्ट्रीय उद्यानों, टाइगर रिजर्व और वन क्षेत्रों में पर्यटन विकास, वन्यजीव संरक्षण तथा अधोसंरचना से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने वन पर्यटन के साथ स्थानीय समुदाय को जोड़ने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि पर्यटन गतिविधियों का लाभ केवल बाहर से आने वाले पर्यटकों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि जंगलों के आसपास रहने वाले वनवासियों और जनजातीय परिवारों की आय बढ़ाने का माध्यम भी बनना चाहिए। उन्होंने वन क्षेत्रों में होम स्टे को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। इससे स्थानीय लोगों को अपने ही क्षेत्र में रोजगार और अतिरिक्त आमदनी के अवसर मिलेंगे। साथ ही पर्यटकों को स्थानीय संस्कृति, परंपराओं, खान-पान और जीवनशैली को करीब

वन भूमि पर अवैध उत्खनन रोकने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने वन भूमि के उपयोग को लेकर अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वन भूमि के डायवर्सन पर सख्त निगरानी रखी जाए। उन्होंने कहा कि वन क्षेत्रों में किसी भी प्रकार का अवैध उत्खनन कतई नहीं होना चाहिए। वन संपदा की सुरक्षा के साथ विकास कार्यों में संतुलन बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय उद्यानों और टाइगर रिजर्व की परिधि में स्थित वन ग्रामों में विकास कार्य स्थानीय आबादी को विश्वास में लेकर ही किए जाएं। विकास के नाम पर वन और वन्यजीवों के संरक्षण से किसी भी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए।

वन्यजीवों के आदान-प्रदान पर भी जोर

मुख्यमंत्री ने अन्य राज्यों के साथ लगातार संपर्क और सहयोग बढ़ाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में उपलब्ध वयस्क और स्वस्थ वन्यजीवों का अन्य राज्यों के साथ आवश्यकतानुसार आदान-प्रदान किया जाए। उन्होंने आंध्रप्रदेश, असम और कर्नाटक जैसे राज्यों के साथ समन्वय कर मध्यप्रदेश में उपलब्ध बाघों के बदले हाथी, गैंडे और अन्य वन्यजीव लाने की संभावनाओं पर काम करने को कहा।

30 प्रस्तावों को मिली मंजूरी

बैठक में राष्ट्रीय उद्यानों और टाइगर रिजर्व क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास तथा वन्यजीव संरक्षण से जुड़े कुल 30 प्रस्ताव अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किए गए, जिन्हें बोर्ड ने चर्चा के बाद मंजूरी प्रदान कर दी। इनमें वन ग्रामों में सीसी रोड निर्माण, टाइगर रिजर्व के वन ग्रामों में पक्की सड़कों का निर्माण, राष्ट्रीय उद्यानों एवं टाइगर रिजर्व क्षेत्रों में मोबाइल टॉवर की स्थापना, उप स्वास्थ्य केंद्रों का निर्माण और विद्युत लाइन बिछाने सहित अन्य आवश्यक विकास कार्य शामिल हैं।

मानव-वन्यजीव संघर्ष रोकना सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास और वन संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखना सरकार की प्राथमिकता है। वन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ यह भी सुनिश्चित किया जाए कि विकास कार्यों से वन्यजीवों और पर्यावरण पर प्रतिकूल असर न पड़े। उन्होंने मानव और वन्यजीवों के बीच संघर्ष की स्थिति रोकने के लिए प्रभावी उपाय करने के निर्देश दिए। उन्होंने वन्य प्राणी बोर्ड में विशेषज्ञ सेवाओं को और मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार तथा राज्य के पुरातत्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल करने का सुझाव भी दिया। बैठक में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार, मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, प्रमुख सचिव वन राघवेन्द्र कुमार सिंह, पीसीसीएफ सुधिरंजन सेन, मुख्य वन्य प्राणी संरक्षण अधिकारी समिता राजौरा सहित बोर्ड के सदस्य और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मप्र के शिक्षकों पर अब और सख्ती!

10 बजे तक लगानी होगी हाजिरी, 70 हजार अतिथि शिक्षकों को भी राहत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में सरकारी स्कूलों के शिक्षकों और अतिथि शिक्षकों से जुड़ी दो अहम खबरें सामने आई हैं। एक ओर लोक शिक्षण संचालनालय नियमित शिक्षकों की ऑनलाइन हाजिरी को लेकर नियम और सख्त करने की तैयारी में है, वहीं दूसरी ओर नेटवर्क की समस्या के कारण परेशान प्रदेश के करीब 70 हजार अतिथि शिक्षकों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद जगी है। विभाग ने दोनों मामलों में कार्रवाई तेज कर दी है।

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने की व्यवस्था पहले से लागू है। मौजूदा नियम के अनुसार शिक्षकों को सुबह 9.30 बजे से 10.45 बजे के बीच ऑनलाइन अटेंडेंस दर्ज करानी होती है। तय समय के बाद लगाई गई हाजिरी मान्य नहीं मानी जाती। अब विभाग इस समय सीमा को और कम करने की तैयारी में है। बताया जा रहा है कि लोक शिक्षण आयुक्त ने ऑनलाइन अटेंडेंस व्यवस्था को लेकर समीक्षा बैठक की। बैठक में शिक्षकों की उपस्थिति और समय पर अटेंडेंस दर्ज कराने को लेकर सख्त निर्देश दिए गए।

नेटवर्क ने रोकी अतिथि शिक्षकों की राह

दूसरी ओर, प्रदेश के दूरस्थ और नेटवर्क विहीन इलाकों में पदस्थ अतिथि शिक्षकों की समस्याओं को लेकर DPI ने पहल शुरू की है। नेटवर्क की सुविधा नहीं होने के कारण कई स्कूलों में अतिथि शिक्षकों की री-ज्वाइनिंग और मानदेय भुगतान की प्रक्रिया प्रभावित हो रही थी। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए DPI ने प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को पत्र भेजकर नेटवर्क विहीन स्कूलों की विस्तृत जानकारी मांगी है। विभाग ऐसे स्कूलों की सूची तैयार करेगा, जहां नेटवर्क की समस्या के कारण ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी नहीं हो पा रही है।

स्कूल से लेकर मानदेय तक जुटेगा पूरा रिकॉर्ड

विभाग अब संबंधित स्कूल, वहां कार्यरत अतिथि शिक्षक और उनके लंबित मानदेय समेत पूरी जानकारी जुटाएगा। इसके आधार पर तकनीकी समस्या का समाधान कर री-ज्वाइनिंग और भुगतान की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की तैयारी है। मध्य प्रदेश में करीब 70 हजार अतिथि शिक्षक कार्यरत हैं। ऐसे में नेटवर्क संबंधी दिक्कतों का समाधान होने पर बड़ी संख्या में शिक्षकों को राहत मिलने की उम्मीद है। एक तरफ नियमित शिक्षकों के लिए ऑनलाइन हाजिरी को लेकर शिकंजा कस रहा है, वहीं दूसरी तरफ अतिथि शिक्षकों की लंबित प्रक्रियाओं को गति देने की कोशिश शुरू हो गई है।

उपाध्यक्ष, महासचिव और सचिवों की होगी नियुक्ति

मप्र कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी जल्द बदली जाएगी, मीटिंग में बनी सहमति..

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी जल्दी बदलेगी। पालिटिकल अफेयर्स कमेटी (पीएसी) की बैठक में नई कार्यकारिणी पर सदस्यों की सहमति बन गई है। प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने नई टीम के लिए नाम मांगे है। यह माना जा रहा है कि जल्दी ही प्रदेश कांग्रेस की नई कार्यकारिणी बनेगी।

इसमें उपाध्यक्ष, महासचिव और सचिव समेत करीब 200 पदाधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। इसके पहले दिसंबर 2023 में जीतू पटवारी को मप्र कांग्रेस की कमान मिली थी और उनकी नियुक्ति के दस महीने बाद अक्टूबर में दो बार में करीब 300 पदाधिकारियों की कार्यकारिणी बनाई थी।

बैठक में यह भी संकते मिले कि नई कार्यकारिणी सितंबर तक बनाई जाएगी, क्योंकि इस महीने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी उज्जैन आएंगे। संगठन का सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। अब तक किए गए गठन और हुए प्रशिक्षण का पूरा ब्यौरा भी इस सम्मेलन में रखा जाएगा। हालांकि इसका असर यूथ कांग्रेस, एनएसयूआई और महिला कांग्रेस पर नहीं होगा।

बैठक में महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बौरासी से कहा गया कि वे जिलों में जल्दी महिला अध्यक्ष की नियुक्ति करें। लेकिन उम्र 40 से 45 वर्ष ही रखें।

रांची पर राहुल की चुप्पी को लेकर हेमंत खंडेलवालका हमला

दिल्ली पर मुखर, रांची में पुलिस कार्रवाई पर मौन क्यों?

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर छात्रों से जुड़े मुद्दों को लेकर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने झारखंड की राजधानी रांची में प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई को लेकर राहुल गांधी की कथित चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि दिल्ली में छात्रों के प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई की आलोचना करने वाले राहुल गांधी रांची की घटना पर खामोश क्यों हैं।

खंडेलवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि रांची में छात्र और नौकरी के अभ्यर्थी अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे थे। उनके मुताबिक, प्रदर्शनकारियों ने किसी तरह के अपशब्दों का इस्तेमाल नहीं किया, इसके बावजूद पुलिस ने उनके खिलाफ बल प्रयोग किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के समर्थन से चल रही झारखंड सरकार ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज कराया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने दिल्ली और रांची की घटनाओं की तुलना करते हुए राहुल गांधी से सवाल किया कि जब दिल्ली में छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई हुई तो उन्होंने इसे लेकर मुखरता दिखाई, लेकिन रांची में छात्रों के साथ हुई कार्रवाई पर उनकी आवाज क्यों नहीं सुनाई दे रही है।

रांची में छात्रों का विरोध प्रदर्शन मुख्य रूप से झारखंड लोक सेवा आयोग और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की भर्ती परीक्षाओं से जुड़ी मांगों को लेकर हुआ। प्रदर्शनकारी कथित अनियमितताओं और परीक्षा से संबंधित समस्याओं को लेकर सरकार से जवाब मांग रहे हैं। विधानसभा की ओर मार्च के दौरान पुलिस द्वारा प्रदर्शनकारियों को रोकने और उन्हें तितर-बितर करने के लिए बल प्रयोग किए जाने के बाद मामला राजनीतिक रूप से भी गरमा गया।

संसद में मुद्दा उठाने की चुनौती

खंडेलवाल ने विपक्ष पर संसद की कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार छात्रों से जुड़े सवालों पर चर्चा और जवाब देने के लिए तैयार है। उन्होंने राहुल गांधी को रांची की घटना संसद में उठाने की चुनौती भी दी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह छात्रों से जुड़े मुद्दों पर जवाब देने के लिए तैयार हैं। खंडेलवाल ने राहुल गांधी पर राजनीतिक नैरेटिव गढ़ने का आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष को संसद में मुद्दे उठाने चाहिए और सरकार को बिना बाधा जवाब देने का अवसर देना चाहिए।

जनसमस्याओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, राजपूत ने चेताया

भोपाल। आमजन की समस्याओं का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के लिए खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने मंगलवार को मंत्रालय में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए नागरिकों और जनप्रतिनिधियों से मुलाकात की। जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी व्यक्तिगत और क्षेत्रीय समस्याएं मंत्री के सामने रखीं। मंत्री ने सभी मामलों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में नागरिकों ने सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और राजस्व सहित बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं सामने

रखीं। इसके अलावा क्षेत्र में लंबित विकास कार्यों और स्थानीय स्तर पर निराकरण की प्रतीक्षा कर रहे मामलों पर भी चर्चा हुई। लोगों ने अपने क्षेत्रों की आवश्यकताओं और विकास से जुड़े विषयों की जानकारी मंत्री को दी। मंत्री राजपूत ने प्रत्येक आवेदक की बात संवेदनशीलता और गंभीरता से सुनी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रकरण का नियमानुसार परीक्षण कर पात्र लोगों को राहत दिलाने की दिशा में प्रभावी कार्रवाई की जाए।

मेट्रो एंकर | प्रदेश में परिवहन व्यवस्था में बड़ा बदलाव, राज्य परिवहन प्राधिकरण का पुनर्गठन

अब अतिरिक्त मुख्य सचिव या प्रमुख सचिव संभाल सकते हैं कमान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में परिवहन व्यवस्था को अधिक प्रभावी और व्यवस्थित बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया है। सरकार ने राज्य परिवहन प्राधिकरण का पुनर्गठन कर दिया है। इस संबंध में सोमवार को गजट अधिसूचना जारी कर दी गई। नई व्यवस्था के तहत राज्य परिवहन प्राधिकरण के अध्यक्ष की जिम्मेदारी अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) या प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारी को सौंपी जाएगी। अध्यक्ष का मनोनयन राज्य सरकार करेगी। वहीं, प्राधिकरण के सदस्य सचिव का दायित्व परिवहन आयुक्त के पास रहेगा।

पुरानी अधिसूचनाएं और आदेश हुए निरस्त- सरकार की ओर से जारी अधिसूचना के प्रभावी होते ही इस विषय से संबंधित पहले जारी सभी अधिसूचनाओं और आदेशों को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है। राज्य सरकार ने यह पुनर्गठन मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 68 की उपधारा (1) और (2) के तहत प्राप्त अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए किया है।

सरकार का मानना है कि नए स्वरूप में राज्य परिवहन प्राधिकरण के कामकाज से अंतरराज्यीय बस परमिट, राज्य स्तर पर रूट आवंटन और परिवहन कारोबारियों से जुड़े अंतर-क्षेत्रीय विवादों के निपटारे में तेजी आएगी। उच्च प्रशासनिक स्तर पर नेतृत्व होने से महत्वपूर्ण फैसलों की निगरानी मजबूत होने और नीतिगत मामलों में लंबित प्रक्रिया कम होने की उम्मीद है। राज्य सरकार का यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब हाल ही में यात्री बसों के किराये में बढ़ोतरी की गई है। नई व्यवस्था के तहत बस किराया बढ़ाकर दो रुपये प्रति किलोमीटर कर दिया गया है, जबकि न्यूनतम किराया 10 रुपये निर्धारित किया गया है।

जल्द शुरू हो सकती है सुगम परिवहन सेवा

मध्य प्रदेश में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा का पहला चरण भी जल्द शुरू होने की संभावना है। शुरुआती चरण में इंदौर और उज्जैन संभाग को प्राथमिकता दिए जाने की बात सामने आई है। इंदौर में पहले चरण के तहत पीएम ई-बस सेवा के अंतर्गत 150 इलेक्ट्रिक बसें संचालित किए जाने की योजना है। इसके बाद इस सेवा का विस्तार चरणबद्ध तरीके से प्रदेश के छह अन्य परिवहन क्षेत्रों भोपाल, उज्जैन, जबलपुर, सागर, ग्वालियर और रीवा में किया जाएगा।

राजनीति का स्टार्टअप

भारतीय राजनीति की इमारत लंबे समय से जाति, धर्म, परिवारवाद, संगठन और स्थापित राजनीतिक मशीनरी की ईंटों पर खड़ी रही है। चुनावी सफलता के लिए वर्षों की मेहनत, मजबूत संगठन और सामाजिक समीकरण जरूरी माने जाते रहे हैं। लेकिन अब इस पुराने ढांचे के बीच एक नई राजनीतिक शैली उभरती दिख रही है- 'स्टार्टअप पॉलिटिक्स '। सवाल यह है कि क्या राजनीति में भी नए खिलाड़ी पुराने बिजनेस मॉडल को चुनौती देने लगे हैं? प्रशांत किशोर, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय और के. अन्नामलाई इस बदलाव के तीन अलग-अलग चेहरे हैं। तीनों की पृष्ठभूमि अलग है, लेकिन एक समानता स्पष्ट है-वे स्थापित राजनीतिक मशीनरी का हिस्सा बनने के बजाय अपनी राजनीतिक जमीन तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं। प्रशांत किशोर कभी चुनावी रणनीतिकार के रूप में पहचाने जाते थे। डेटा, तकनीक और आधुनिक प्रचार उनकी ताकत रहे। बिहार में राजनीति में उतरने के बाद उन्होंने पदयात्रा के जरिए जनता से सीधा संवाद बनाया। जन सुराज का राजनीतिक दल में बदलना बताता है कि वे चुनावी रणनीति से आगे बढ़कर खुद राजनीतिक विकल्प बनाने की कोशिश कर रहे हैं। शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, पलायन और शासन जैसे मुद्दों को जातीय गणित से ऊपर रखने का प्रयास इस प्रयोग को अलग पहचान देता है। तमिलनाडु में अभिनेता से राजनेता बने विजय का मॉडल और भी तेज है। फिल्मी लोकप्रियता को वोट में बदलना आसान नहीं होता, फिर भी तमिलगा वेट्री कषगम के जरिए उन्होंने युवाओं को केंद्र में रखकर अपना राजनीतिक ब्रांड बनाने की कोशिश की। सामाजिक न्याय, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर जोर देकर उन्होंने पारंपरिक द्रविड़ राजनीति के बीच अलग जगह बनाने का प्रयास किया। के. अन्नामलाई का रास्ता अलग है। पुलिस सेवा से राजनीति में आए अन्नामलाई ने स्थापित संगठन के भीतर काम करने के बाद अपनी राह चुनी। भारतीय राजनीति में नए प्रयोग पहले भी हुए हैं। एनटी रामाराव की तेलुगु देशम पार्टी, असम गण परिषद और आम आदमी पार्टी ने अपने समय में स्थापित दलों को चुनौती दी। आज सोशल मीडिया, डेटा और डिजिटल संवाद ने इस प्रक्रिया को और तेज कर दिया है। भारतीय राजनीति में अब नए रास्ते तलाशने का साहस बढ़ रहा है।

हमारी आज़ादी के पूरे होते आठ दशक... मिलकर सोचें, हम कितने स्वतंत्र है..?

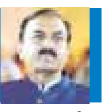

डॉ. चन्द्र किशोर शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

हमारी आजादी का 80वां वर्ष केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि हमारे आत्ममंथन का भी जरूर अवसर है। इस बार आजादी महोत्सव अवसर तिरंगे को नमन करने के साथ-साथ एक गंभीर प्रश्न पर विचार करना भी जरूरी है। हम वास्तव में कितने स्वतंत्र हैं? क्योंकि स्वतंत्रता का मूल अर्थ केवल विदेशी शासन से मुक्ति नहीं है। स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ तब सार्थक होता है, जब देश का नागरिक बिना भय अपने विचार व्यक्त कर सके, सरकार से सवाल पूछ सके, अपने अधिकारों का इस्तेमाल कर सके और उसे न्याय, सम्मान तथा समान अवसर मिल सके तथा राष्ट्र अपनी सीमाओं की सुरक्षा के साथ दुनिया में आर्थिक, तकनीकी, ऊर्जा, रक्षा और रणनीतिक निर्भरता भी किसी देश की निर्णय लेने स्वतंत्रता हो। यदि नागरिक के पास वोट देने का अधिकार है, लेकिन उसके पास सम्मानजनक रोजगार नहीं है, तो हमें लोकतांत्रिक स्वतंत्रता के साथ आर्थिक स्वतंत्रता पर भी विचार करना होगा। यदि विद्यालयों तक पहुंच है, लेकिन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सबके लिए उपलब्ध नहीं है, तो शिक्षा की स्वतंत्रता अधूरी है। यदि बैंक खाते हैं, लेकिन नियमित और पर्याप्त आय नहीं है, तो वित्तीय समावेशन का उद्देश्य भी अधूरा है। कानून की नजर में समानता है, लेकिन समाज में जाति, वर्ग, लिंग या आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव कायम है, देश में सरकार है, निर्वाचित जनप्रतिनिधि हैं, शासन और प्रशासन की विशाल व्यवस्था है, लेकिन यदि आम नागरिक अपनी बुनियादी समस्याओं के समाधान के लिए वर्षों तक कार्यालयों के चक्कर लगाता रहे, उसे समय पर न्याय न मिले या उसकी आवाज व्यवस्था तक न पहुंचे, हम खाद्यान्न उत्पादन में आगे बढ़े हैं, लेकिन दूसरी ओर यदि किसी नागरिक को दो वक्त के भोजन के लिए संघर्ष करना पड़े है, देश की अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, लेकिन संपन्नता के वास्तविक मानकों पर आम भारतीय कहां खड़ा है? हमारी प्रति व्यक्ति आय, जीवन स्तर और सामाजिक सुरक्षा दुनिया के विकसित देशों की तुलना में कहां है? महिलाओं की शिक्षा, रोजगार, सुरक्षा, निर्णय लेने की स्वतंत्रता और समान अवसर के मानकों पर हम कितनी दूर पहुंचे हैं? तो हमें यह भी पूछना होगा कि हम वास्तव में कितने स्वतंत्र हैं? इन सवालों का उद्देश्य निराशा पैदा करना या देश की उपलब्धियों को नकारना नहीं है। बल्कि इसके विपरीत, यह उस भारत की कल्पना को मजबूत करने का प्रयास है जिसमें स्वतंत्रता केवल संविधान और कानून की किताबों में दर्ज अधिकार न होकर नागरिक के दैनिक जीवन का अनुभव बने।

1947 में भारत ने स्वतंत्रता हासिल की तो सामने चुनौतियों का पहाड़ था। विभाजन की त्रासदी, विस्थापन, गरीबी, अशिक्षा, खाद्य संकट, कमजोर औद्योगिक आधार और सीमित संसाधन—इन परिस्थितियों में भारत ने लोकतंत्र का रास्ता चुना। दुनिया के अनेक नवस्वतंत्र देश लोकतांत्रिक व्यवस्था को लंबे समय तक कायम नहीं रख सके, लेकिन भारत ने गरीब, अशिक्षित और ग्रामीण नागरिक को भी यह अधिकार दिया गया कि वह सत्ता चुन सके। 1951-52 का पहला आम चुनाव भारतीय लोकतंत्र का असाधारण प्रयोग था। इसके बाद पंचवर्षीय योजनाओं, सिंचाई, भारी उद्योग, सार्वजनिक क्षेत्र, वैज्ञानिक संस्थानों और तकनीकी शिक्षा के माध्यम से आधुनिक भारत की नींव रखी गई। हरित क्रांति ने खाद्यान्न संकट से बाहर निकलने में मदद की। बैंकों के राष्ट्रीयकरण से बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार हुआ। 1975 का आपातकाल लोकतांत्रिक स्वतंत्रता के लिए गंभीर चेतावनी बना, लेकिन 1977 के चुनाव ने यह भी साबित किया कि भारतीय मतदाता सत्ता बदलने की क्षमता रखता है। 1980 और 1990 के दशक में कंप्यूटर, दूरसंचार और फिर आर्थिक उदारीकरण ने भारत की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी। 1991 के संकट से निकलकर भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बना।

15 अगस्त 2026 को हम फिर तिरंगा फहराएँगे। फहराना चाहिए। हम राष्ट्रगान गाएँगे।गाना चाहिए। हम शहीदों को याद करेंगे। याद करना चाहिए। हम तिरंगा यात्रा निकालेंगे। निकालनी चाहिए। लेकिन इस बार तिरंगा हाथ में लेने के साथ एक सवाल अपने भीतर भी रखें– क्या जिस भारत का सपना स्वतंत्रता सेनानियों ने देखा था, उसमें नागरिक वास्तव में उतना ही स्वतंत्र है जितना संविधान ने उसे बनाया है? गांधी की कसौटी पर अंतिम व्यक्ति कहाँ है? आंबेडकर की कसौटी पर सामाजिक समानता कितनी दूर है? पटेल की कसौटी पर हमारी एकता कितनी मजबूत है? राजेंद्र प्रसाद की कसौटी पर हमारा गणराज्य कितना जवाबदेह है? और आज के डिजिटल भारत की कसौटी पर—क्या सोशल मीडिया ने हमें केवल बोलने की आजादी दी है या जिम्मेदारी से संवाद करने का संस्कार भी? इन प्रश्नों से डरने की जरूरत नहीं है। प्रश्न देश को कमजोर नहीं करते। प्रश्नों से भागना देश को कमजोर करता है। जो राष्ट्र अपनी कमियों को स्वीकार कर सकता है, वही उन्हें सुधार सकता है। भारत ने 1947 से 2026 तक लंबी यात्रा की है। विभाजन और गरीबी से निकलकर लोकतंत्र कायम रखना, खाद्य संकट से आत्मनिर्भरता तक पहुँचना, औद्योगिक आधार बनाना, आर्थिक संकट से उबरना, डिजिटल शक्ति बनना और वैश्विक मंच पर अपनी स्वतंत्र आवाज स्थापित करना—ये छोटी उपलब्धियाँ नहीं हैं। लेकिन किसी राष्ट्र की अंतिम सफलता उसकी त्नष्ठक्क मिसाइल, मोबाइल, एक्सप्रेसवे या वैश्विक प्रतिष्ठा से तय नहीं होती। राष्ट्र की असली सफलता इस बात से तय होती है कि उसका सबसे कमजोर नागरिक कितना सुरक्षित, सम्मानित और स्वतंत्र महसूस करता है। इसलिए आजादी का अगला लक्ष्य केवल शक्तिशाली भारत नहीं होना चाहिए। हमें शक्तिशाली, संवेदनशील, समृद्ध और समान, आधुनिक, मानवीय, मजबूत और जवाबदेह भारत चाहिए। तिरंगा तभी सचमुच ऊँचा होगा जब उसके नीचे खड़ा हर नागरिक भी सम्मान से सिर उठा सके। 1947 में हमने विदेशी सत्ता से स्वतंत्रता हासिल की थी। 2026 में हमारी चुनौती है कि हम अपने नागरिक को भय, भूख, भेदभाव, बेरोजगारी, अशिक्षा और असमान अवसरों से भी स्वतंत्र करें। क्योंकि अंततः राष्ट्र की संप्रभुता का उद्देश्य केवल शक्तिशाली राज्य बनाना नहीं है। उसका अंतिम उद्देश्य है ,स्वतंत्र नागरिक और जिस दिन भारत का अंतिम नागरिक बिना भय, बिना भेदभाव और पूरे सम्मान के साथ यह कह सकेगा 'यह देश मेरा है, इसकी स्वतंत्रता मेरी स्वतंत्रता है और इसके भविष्य में मेरा भी बराबर का हिस्सा है,' उस दिन 1947 की आजादी अपने सबसे सुंदर अर्थ में पूरी होगी। तिरंगा तब केवल आसमान में नहीं लहराएगा वह हर भारतीय के जीवन में लहराएगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस

आज के युवा भारत की धड़कन में सपने, सवाल और बदलाव की पुकार

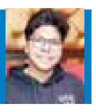

अतुल गोयल
सॉफ्टवेयर डवलपमेंट इंजीनियर

किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी उसकी युवा शक्ति होती है। युवा केवल देश का वर्तमान नहीं बल्कि उसके भविष्य की दिशा तय करने वाली वह ऊर्जा हैं, जिनके सपनों, सवालों, नवाचारों और निर्णयों से आने वाले समाज की तस्वीर बनती है। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र प्रतिवर्ष 12 अगस्त को 'अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस' मनाता है। इसका उद्देश्य युवाओं से जुड़े मुद्दों को वैश्विक विमर्श के केंद्र में लाना, उनकी आवाज को नीति-निर्माण तक पहुंचाना और सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक तथा पर्यावरणीय विकास में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। पहला अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 12 अगस्त 2000 को मनाया गया था, जिसकी अवधारणा 1991 में वियना में आयोजित विश्व युवा मंच के दौरान सामने आई थी और 1998 के लिस्बन सम्मेलन में 12 अगस्त को युवा दिवस के रूप में मनाने की सिफारिश की गई थी। दिसंबर 1999 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रस्ताव 54/120 के माध्यम से इसे औपचारिक मान्यता दी।

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 की थीम है 'विभिन्न परिस्थितियां, साझा आकांक्षाएं', जो आज के वैश्विक युवा परिदृश्य को अत्यंत सटीक ढ़ंग से अभिव्यक्त करती है। दुनिया के अलग-अलग देशों, समाजों और आर्थिक परिस्थितियों में रहने वाले युवाओं की समस्याएं भले ही अलग हों लेकिन उनकी मूल आकांक्षाएं आश्चर्यजनक रूप से समान हैं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सम्मानजनक रोजगार, आर्थिक सुरक्षा, समान अवसर, बेहतर स्वास्थ्य, निर्णय-प्रक्रिया में भागीदारी और ऐसा भविष्य, जिसमें उनकी प्रतिभा तथा परिश्रम का उचित मूल्य मिले। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, युवा चाहे छोटे द्वीपीय देशों में रहते हों, विकासशील देशों में या अपेक्षाकृत समृद्ध समाजों में, उनकी साझा आकांक्षाओं में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, गरिमापूर्ण कार्य, निर्णयों में अपनी आवाज और बेहतर भविष्य की चाह प्रमुख है। भारत के संदर्भ में यह थीम और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत की जनसंख्या संरचना में युवाओं की हिस्सेदारी बहुत बड़ी है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की 'यूथ इन इंडिया 2022' रिपोर्ट के अनुसार 2021 में 15-29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की आबादी कुल जनसंख्या का लगभग 27.2 प्रतिशत थी और यह संख्या लगभग 34.5 करोड़ थी। रिपोर्ट इसे भारत के लिए 'डेमोग्राफिक डिविडेंड' अर्थात जनसांख्यिकीय लाभांश की महत्वपूर्ण खिड़की मानती है लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट करती है कि इस अवसर का लाभ उठाने के लिए शिक्षा, रोजगार, कौशल और समावेशी विकास की प्रभावी व्यवस्था जरूरी है।

भारत ने युवाओं की क्षमता को दिशा देने के लिए राष्ट्रीय युवा नीति, नेहरू युवा केंद्र संगठन, राष्ट्रीय सेवा योजना, स्किल इंडिया, फिट इंडिया जैसे अनेक कार्यक्रम शुरू किए हैं। डिजिटल तकनीक, स्टार्टअप, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष विज्ञान, खेल, अनुसंधान और उद्यमिता के क्षेत्र में भारतीय युवाओं ने वैश्विक स्तर पर अपनी प्रतिभा सिद्ध की है। लेकिन दूसरी ओर यह भी सच है कि करोड़ों युवाओं के लिए शिक्षा और रोजगार की राह अभी भी असमान, अनिश्चित और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी है। डिग्री बढ़ रही है लेकिन उसके अनुरूप गुणवत्तापूर्ण रोजगार के अवसर हर युवा तक नहीं पहुंच रहे। सरकारी नौकरी की कुछ हजार सीटों के लिए लाखों आवेदन और प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आने वाली अनियमितताओं ने युवाओं की बेचैनी को बढ़ाया है। यही बेचैनी हाल के दिनों में दिल्ली के जंतर-मंतर पर दिखाई दी। 2026 में प्रतियोगी परीक्षाओं, विशेषकर नीट से जुड़े कथित पेपर लीक और अनियमितताओं को लेकर युवाओं का आंदोलन धीरे-धीरे एक व्यापक शिक्षा-सुधार आंदोलन में बदलता गया। मई में छात्रों के प्रदर्शन से शुरू हुई यह आवाज जून-जुलाई में जंतर-मंतर तक पहुंची और बड़ी संख्या में विद्यार्थी, अभिभावक तथा नौकरी की तैयारी कर रहे युवा वहां जुटे। इस आंदोलन का महत्व केवल किसी एक परीक्षा की अनियमितता तक सीमित नहीं था। जंतर-मंतर पर पहुंचे युवाओं की शिकायतों में परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता, पेपर लीक, परीक्षा परिणामों में देरी, शिक्षा की बढ़ती लागत, सरकारी और निजी शिक्षा के बीच अंतर, रोजगार की चिंता और भविष्य की अनिश्चितता जैसे अनेक सवाल शामिल थे।

जंतर-मंतर की गूंज अब झारखंड में भी सुनाई दे रही है। वहां जेपीएससी और जेएसएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के आरोपों को लेकर बड़ी संख्या में युवा और अभ्यर्थी आंदोलन कर रहे हैं। 10 अगस्त 2026 को रांची में विधानसभा की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तनाव बढ़ गया तथा पुलिस ने आंसू गैस, पानी की बौछार और लाठी का इस्तेमाल किया। प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगों में भर्ती परीक्षाओं की निष्पक्षता, कथित अनियमितताओं की जांच और जवाबदेही शामिल है। झारखंड का आंदोलन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां युवाओं की समस्या केवल एक परीक्षा तक सीमित नहीं है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि युवाओं को केवल 'भविष्य के नागरिक' कहकर उनकी वर्तमान आवाज को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वे आज के नागरिक हैं और आज की नीतियों का सीधा प्रभाव उनके जीवन पर पड़ता है। इसलिए नीति-निर्माण में युवाओं की भागीदारी औपचारिक सलाह तक सीमित न रहकर वास्तविक निर्णय-प्रक्रिया का हिस्सा बननी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र भी युवाओं को केवल नीतियों के लाभार्थी नहीं बल्कि विकास और लोकतांत्रिक शासन के सक्रिय भागीदार के रूप में देखने पर जोर देता है। जंतर-मंतर और झारखंड की सड़कों से उठती युवाओं की आवाज को केवल विरोध की आवाज नहीं समझना चाहिए, यह उस पीढ़ी की आकांक्षा है, जो अपने भविष्य को लेकर गंभीर है। वह कह रही है कि उसे मुफ्त वादे नहीं, निष्पक्ष अवसर चाहिए; केवल भाषण नहीं, पारदर्शी व्यवस्था चाहिए; केवल आश्वासन नहीं, परिणाम चाहिए। अलग-अलग राज्यों, भाषाओं, वर्गों और सामाजिक परिस्थितियों में रहने के बावजूद युवाओं की यह साझा मांग है कि उनके सपनों के साथ व्यवस्था भी ईमानदार हो। आज आवश्यकता युवाओं को शांत कराने की नहीं, उन्हें सुनने की है; उनकी आवाज दबाने की नहीं, उसे नीति में बदलने की है; उनके आक्रोश को अपराध मानने की नहीं, उसके कारणों को समझने की है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

लगातार ईयरबड्स से गाने सुनने की आदत पड़ सकती है भारी

आज की डिजिटल लाइफस्टाइल में कई लोग बिना म्यूजिक, पॉडकास्ट, मेडिटेशन या व्हाइट नॉइज सुने सो ही नहीं पाते। इसके लिए अधिकांश लोग वायरलेस या वायर्ड ईयरबड्स का इस्तेमाल करते हैं और कई बार इन्हें पूरी रात कानों में लगाए रखते हैं। हालांकि यह आदत आरामदायक लग सकती है, लेकिन डॉक्टरों का कहना है कि यदि यह रोज की आदत बन जाए तो कानों की सेहत, सुनने की क्षमता और नींद की गुणवत्ता पर इसका असर पड़ सकता है। यूनिवर्सिटी ऑफ रॉचेस्टर के अनुसार, यदि कभी-कभार कम आवाज पर थोड़े समय के लिए ईयरबड्स का इस्तेमाल किया जाए, तो अधिकांश स्वस्थ लोगों में गंभीर समस्या होने की संभावना कम होती है। लेकिन यदि आप रोजाना पूरी रात इन्हें पहनकर सोते हैं, तो कान की नली पर लगातार दबाव पड़ सकता है। इससे त्वचा में जलन, वैक्स का जमा होना और बैक्टीरिया के बढ़ने की संभावना बढ़ सकती है।

क्लीवलैंड क्लीनिक के अनुसार जब आप सोते हैं, तब शरीर की तरह कान भी आराम की अवस्था में होते हैं। यदि लंबे समय तक ईयरबड्स कानों के अंदर लगे रहें, तो कान की नली में हवा का प्रवाह कम हो सकता है। इससे नमी बढ़ सकती है और त्वचा मुलायम होकर संक्रमण के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकती है। यदि कान पहले से ही अधिक वैक्स बनाते हैं, तो ईयरबड्स वैक्स को अंदर की ओर धकेल सकते हैं। इससे कान बंद होने का एहसास, सुनने में कमी या असहजता हो सकती है। यदि ईयरबड्स किसी दूसरे व्यक्ति के साथ साझा किए जाएं, तो संक्रमण का जोखिम और भी बढ़ सकता है। इसलिए डॉक्टर सलाह देते हैं कि ईयरबड्स को समय-समय पर साफ करें और उन्हें किसी के साथ शेयर न करें।

कुछ लोगों में व्हाइट नॉइज, मेडिटेशन या शांत संगीत सुनने से नींद आने में मदद मिल सकती है, खासकर यदि आसपास शोर हो। कई अध्ययनों में पाया गया है कि शांत ध्वनियां तनाव कम करने और सोने में लगने वाले समय को घटाने में मदद कर सकती हैं।हालांकि, यदि पूरी रात ऑडियो चलता रहे, बार-बार नोटिफिकेशन आएं, या आवाज बहुत अधिक हो, तो नींद के प्राकृतिक चक्र में बाधा आ सकती है। यदि कान में किसी भी तरह की असुविधा हो, तो स्वयं इलाज करने के बजाय ईएनटी विशेषज्ञ से सलाह लें।

सुविचार

मेहनत वो सुनहरी चाबी है जो बंद भविष्य के दरवाजे भी खोल देती है।
–अज्ञात

निशाना

मज़दूर का छोटा घर देख लेना...

प्रदीप कश्यप

कठिन राह का जब सफ़र देख लेना।
रुकावट तभी दूर कर देख लेना।
लड़ाई कभी ख़त्म करना नहीं है।
भले दुश्मनों में जो डर देख लेना।
महल जिसने ऊँचे बनाए सभी के।
वो मज़दूर का छोटा घर देख लेना।
ज़माने से करना भले ही लड़ाई
है उल्फ़त तो हद से गुज़र देख लेना।
करे जो सहन मार पत्थर की कश्यप
फलों से लदा वो शज़र देख लेना।

यूज़र्स गाइड

10 रुपये में घर बैठे बन जाएगा सीनियर सिटीजन कार्ड, मिल सकेंगे कई फायदे

भारत में 60 साल या उससे ज्यादा उम्र के वरिष्ठ नागरिकों के लिए सरकार कई खास सुविधाएं और रियायतें देती है। अस्पतालों में प्राथमिकता हो, यात्रा में छूट का लाभ हो या किसी पेंशन योजना का फायदा इन्हें पाने के लिए आपके पास सीनियर सिटीजन कार्ड का होना बेहतर रहता है। अगर आपके घर में कोई बुजुर्ग है, तो उन्हें ऑनलाइन यह कार्ड बनवाकर बहुत से फायदे दिलवा सकते हैं। इसमें सिर्फ 10 रुपये का खर्च आता है और आप घर बैठे अपने फोन या लैपटॉप की मदद से इस कार्ड को बनवा सकते हैं।

ऑनलाइन सीनियर सिटीजन कार्ड बनवाते समय आपको कुछ डॉक्यूमेंट्स तैयार रखने चाहिए। इन डॉक्यूमेंट्स को आपको कार्ड बनवाने के प्रोसेस में अपलोड करना होगा। इसके लिए आयु प्रमाण पत्र के तौर पर आधार कार्ड, पैन कार्ड, पासपोर्ट वोटर आईडी कार्ड या 10वीं की मार्कशीट से काम चल सकता है। इसी तरह निवास प्रमाण पत्र के लिए आधार कार्ड बिजली या पानी का बिल राशन कार्ड या पासपोर्ट या वोटर आईडी कार्ड से काम चल जाएगा। इसके आलावा हाल ही में खींची गई 2 से 3 पासपोर्ट साइज फोटो मेडिकल रिपोर्ट / ब्लड ग्रुप सर्टिफिकेट मोबाइल नंबर आदि को तैयार रख सकते हैं।

इसके लिए अपने राज्य के ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल या समाज कल्याण विभाग की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाना होगा। वहां Citizen Login या New User Registration पर क्लिक करके अपना अकाउंट बनाएं और लॉगइन करें। होमपेज पर 'Citizen Login' या 'New User Registration' पर क्लिक करके अपना अकाउंट बनाएँ और लॉगिन करें। इसके बाद खुलने वाले फॉर्म में अपना नाम, पिता का नाम, जन्मतिथि, लिंग और पूरा पता सही-सही दर्ज करें। तमाम डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें जैसे कि आयु और निवास प्रमाण पत्र और पासपोर्ट साइज फोटो आदि। सीनियर सिटीजन कार्ड हो, तो बैंकों में एफडी और आरडी कराने पर सामान्य नागरिकों की तुलना में 0.50% तक ज्यादा ब्याज मिल जाता है। इसी तरह एयर इंडिया और कई अन्य एयरलाइन्स सीनियर सिटीजन कार्डधारकों को बेस फेयर में 50% तक की छूट भी ऑफर करती हैं।?

अजब - गजब

मौत के मुंह से निकला दुर्लभ कछुआ, वीआईपी की तरह फ्लाइट से होगी घर वापसी

समुद्र की विशाल और अथाह दुनिया में कई बार तेज हवाएं और समुद्री तूफान बेजुबान जीवों को उनकी मंजिल से बहुत दूर भटका देते हैं। ऐसा ही कुछ हुआ केम्प्स रिडले प्रजाति के रॉसी नाम के एक बेहद दुर्लभ समुद्री कछुए के साथ। दिसंबर 2023 में ब्रिटेन के वेल्स स्थित एंगलसी के रोसनेग्र समुद्र तट पर यह कछुआ मरने की कगार पर मिला था। लेकिन दो साल के लंबे और कठिन इलाज के बाद अब यह कछुआ पूरी तरह ठीक हो चुका है। अब इसे करीब 8,000 किलोमीटर का लंबा हवाई सफर तय करवाकर वापस उसके प्राकृतिक घर यानी मेक्सिको की खाड़ी भेजा जा रहा है। इस पूरे मामले की शुरुआत तब हुई थी, जब मेग नाम का एक कुत्ता अपने मालिक के साथ समुद्र तट पर टहल रहा था। अचानक उसकी नजर एक अधमरे और जम चुके कछुए पर पड़ी।

उस समय इस छोटे से कछुए की उम्र दो साल से भी कम थी और इसका वजन महज 1 किलोग्राम था। तेज हवाओं और समुद्री तूफानों के कारण यह कछुआ अपने गर्म पानी के प्राकृतिक आवास से भटक कर ब्रिटेन के बेहद ठंडे पानी में आ फंसा था। रेस्क्यू टीम ने कछुए को तुरंत एंगलसी सी जू पहुंचाया, जहां डॉक्टरों और एक्सपर्ट्स की टीम ने दिन-रात एक करके इसका इलाज शुरू किया। वह अब अपने वतन लौटने के लिए पूरी तरह से फिट घोषित किया जा चुका है।

हालांकि, इस कछुए को अटलांटिक महासागर के पार अमरीका तक सुरक्षित ले जाना कोई आसान काम नहीं है। रॉसी को सबसे पहले एंगलसी से एक हेलीकॉप्टर के जरिए लंदन ले जाया जाएगा, जिसके बाद उसे कार से हीथ्रो एयरपोर्ट पहुंचाया जाएगा। वहां से वह ब्रिटिश एयरवेज की डायरेक्ट फ्लाइट से अमेरिका के टेक्सस राज्य के ह्यूस्टन शहर पहुंचेगा और फिर उसे मेक्सिको की खाड़ी के गर्म पानी में छोड़ दिया जाएगा। इस लगभग 10 घंटे की लंबी हवाई यात्रा के दौरान सबसे बड़ी चुनौती कछुए की चमड़ी और उसकी खोल को पानी से बाहर सूखने से बचाना है। एंगलसी सी जू के क्यूरेटर मैट डेविडसन ने बताया कि कछुए की नाजुक त्वचा को छिलने और सूखने से बचाने के लिए खास तरह की के-वाई जेली का इस्तेमाल किया जाएगा। यह जेली कछुए की आंखों और त्वचा के लिए बिल्कुल सुरक्षित है। इसके अलावा कछुए की ऊपरी खोल को फटने से बचाने के लिए उस पर वैसलीन की मोटी परत लगाई जाएगी। मैट ने मजाकिया अंदाज में बताया कि जब वे स्थानीय मेडिकल स्टोर से 8 ट्यूब जेली और वैसलीन के 3 बड़े डिब्बे खरीदने गए थे, तो दुकानदार उन्हें बड़ी अजीब नजरों से देख रहा था।

पन्ना में 50 से ज्यादा यात्रियों से भरी चलती बस में लगी आग, मची चीख पुकार

पन्ना। दोपहर मेट्रो

शहर के भीड़भाड़ वाले अमानगंज में उस समय हड़कंप मच गया, जब रेस्ट हाउस के सामने यात्रियों से भरी छांग्गे राजा बस में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते बस से धुएं का गुबार उठने लगा और यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। जान बचाने के लिए यात्री आनन-फानन में बस से नीचे उतरकर सुरक्षित स्थान की ओर भागने लगे। हालांकि, चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए बस को समय रहते रोक लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। गनीमत रही कि घटना में किसी यात्री के हताहत होने की सूचना नहीं है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस अमानगंज रेस्ट हाउस के सामने से गुजर रही थी। इसी दौरान बस के अंदर से अचानक धुआं उठने लगा। कुछ ही देर में यात्रियों को स्थिति की गंभीरता का अंदाजा हुआ तो बस में अफरा-तफरी मच गई। चालक ने तत्काल बस रोक दी और यात्रियों को नीचे उतारा। बस से धुआं निकलते देख आसपास मौजूद लोग भी मौके पर पहुंच गए। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में बस से घना धुआं उठता दिखाई दे रहा है, जबकि यात्री अपनी जान बचाने के लिए तेजी से बस से उतरते नजर आ रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो बस जब पन्ना से अमानगंज के लिए रवाना हुई तो खचाखच यात्रियों से भरी थी। हादसे के वक्त भी आधा सैकड़ा से ज्यादा यात्री बस में सवार थे। दिन में बड़ी संख्या में महिलाएं बच्चे भी शामिल थे ऐसे में यदि हादसा होता तो बड़ी अनहोनी हो सकती थी।

खस्ताहाल बसों को लेकर उठे सवाल

चलती बस में आग लगने की इस घटना ने जिले में संचालित निजी बसों की स्थिति और उनकी फिटनेस व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। यात्रियों का आरोप है कि बस संचालक किराए वसूली में किसी तरह की रियायत नहीं देते, लेकिन यात्रियों की सुरक्षा के लिए जरूरी इंतजामों पर ध्यान नहीं दिया जाता। कई बसें लंबे समय से सड़कों पर दौड़ रही हैं, जिनकी स्थिति देखकर उनकी फिटनेस को लेकर सवाल उठते हैं।

बस यात्रियों की मांग

स्थानीय लोगों का कहना है कि परिवहन विभाग को जिले में संचालित सभी निजी बसों की सघन जांच करानी चाहिए। बसों की तकनीकी स्थिति, अग्निशमन उपकरण, वायरिंग, टायर और अन्य सुरक्षा इंतजामों की जांच के साथ फिटनेस प्रमाणपत्रों की भी पड़ताल की जाए। नियमों का उल्लंघन करने वाली और अनफिट बसों को तत्काल सड़क से हटाने की मांग की गई है।

आरटीओ ने जवाब देना उचित नहीं समझा

घटना के संबंध में जिला परिवहन अधिकारी सुनील शुक्ला का पक्ष जानने के लिए पत्रिका द्वारा संपर्क किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। बस में आग लगने के कारण और बस की फिटनेस संबंधी जानकारी के लिए उन्हें मैसेज भेजा गया। लेकिन, मैसेज सीन करने के बाद भी उन्होंने उसपर कोई जवाब देना उचित नहीं समझा।

न्यूज विंडो

बेतवा का पानी उतरते ही दिखे पुल पर गहरे जख्म, हुआ क्षतिग्रस्त

गंजबासौदा। लगातार बारिश के बाद बेतवा नदी में आई पहली ही बाढ़ ने सिरोंज रोड स्थित बेतवा पुल की मजबूती पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बाढ़ का पानी पुल के ऊपर से गुजरने के बाद पुल के क्षतिग्रस्त होने की स्थिति सामने आई है। खास बात यह है कि हर वर्ष बेतवा नदी का जलस्तर बढ़ने पर पुल के ऊपर कई बार पानी पहुंचता रहा है, लेकिन इस बार पहली ही बाढ़ में पुल को नुकसान पहुंच गया। पुल की सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने पुल के दोनों ओर बैरिकेड्स लगा दिए हैं। साथ ही लोगों को पुल पर आवागमन करने से रोकने के लिए सतर्कता बरती जा रही है। प्रशासन की ओर से पुल की स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

मल्टी बिल्डिंग में चल रहे जुआ फड़ पर पुलिस का छापा, 10 जुआरी पकड़े

नर्मदापुरम। कालिका नगर स्थित हिंगलाज कॉलोनी, बाबई रोड की एक मल्टी बिल्डिंग में चल रहे जुआ फड़ पर सिटी कोतवाली पुलिस ने अचानक छापामार कार्रवाई की। पुलिस ने मौके से करीब 9 से 10 जुआरियों को रंगे हाथों पकड़े जाने की कार्रवाई की है। बताया जा रहा है कि जुआ फड़ एक नामी जुआरी गोलू जाटव की मल्टी बिल्डिंग में संचालित हो रहा था। पुलिस अधीक्षक के सख्त रुख के बाद सिटी कोतवाली थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर जुआरियों को दबोचा। जुआरियों को पकड़कर थाने ले जा रही पुलिस की गाड़ी बस स्टैंड के पास अचानक खराब हो गई। इसके बाद पुलिस ने पकड़े गए जुआरियों को पैदल ही थाने पहुंचाया। सरेराह जुआरियों के इस पैदल जुलूस का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिस की कार्रवाई के बाद क्षेत्र में जुआरियों के बीच हड़कंप मच गया। फिलहाल पुलिस द्वारा पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

हरियाली अमावस्या पर नर्मदा घाटों पर उमड़ी आस्था, गूंजा हर-हर महादेव

नर्मदापुरम। हरियाली अमावस्या का पर्व बुधवार को नर्मदापुरम में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही नर्मदा घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। दूर-दराज से पहुंचे भक्तों ने मां नर्मदा में आस्था की डुबकी लगाई। स्नान के बाद श्रद्धालु शिवालयों में पहुंचे और भगवान शिव का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की। सेठानी घाट स्थित विंध्याचल सेट पर चल रहे पार्थिव शिवलिंग अभिषेक में भी बड़ी संख्या में शिवभक्त शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने दूध, दही, शहद और पंचामृत सहित विभिन्न द्रव्यों से भगवान शिव का अभिषेक किया। पंडित सोमेश परसाई ने धान से निर्मित पार्थिव शिवलिंग का विशेष अभिषेक कराया। इसके बाद महाआरती हुई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। हरियाली अमावस्या को प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए आचार्य सोमेश परसाई ने श्रद्धालुओं को विभिन्न प्रकार के पौधों का वितरण किया। उन्होंने कहा कि हरियाली अमावस्या पर पौधारोपण का विशेष धार्मिक महत्व माना गया है। श्रद्धालुओं को पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया गया। आयोजन में शामिल श्रद्धालुओं में भी खासा उत्साह रहा। शिवभक्तों ने पार्थिव शिवलिंग का अभिषेक कर भगवान शिव की आराधना की और पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण का संकल्प लिया।

अनदेखी से नाराज ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट कार्यालय का किया घेराव

कटनी। कटनी में अवैध खनन और प्रशासन की अनदेखी से नाराज ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट कार्यालय का घेराव किया। उन्होंने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर थाना कुठला क्षेत्र के ग्राम भरवारा में अवैध उत्खनन और परिवहन की शिकायत की। साथ ही माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की।

अवैध हथियार बनाने वाली फैक्ट्री का पुलिस ने किया भंडाफोड़

देशी कट्टा, रिवाल्वर, पिस्टल एवं तीन जिंदा कारतूस व हथियार निर्माण की सामग्री बरामद

अवैध हथियारों की सप्लाई एवं निर्माण से जुड़े 3 आरोपी गिरफ्तार

सागर। दोपहर मेट्रो

जिले में अवैध हथियार रखने वाले, अवैध हथियारों का उपयोग कर दहशत फैलाने वाले तथा कानून-व्यवस्था एवं आम शांति को प्रभावित करने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में थाना कैंट पुलिस द्वारा अवैध हथियारों की धरपकड़ हेतु मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर लगातार संदिग्ध व्यक्तियों एवं अवैध हथियारों की गतिविधियों पर निगरानी रखी जा रही थी।

थाना कैंट पुलिस को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि कजलीवन मैदान के पास एक व्यक्ति अवैध देशी कट्टा एवं कारतूस लेकर घूम रहा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए थाना कैंट पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर दबिश दी गई। पुलिस टीम द्वारा मौके से अनुज सेन पिता स्व. केदार सेन, उम्र 24 वर्ष, निवासी लक्ष्मीपुरा वार्ड, थाना कोतवाली को पकड़ा गया।। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 1 नग 315 बोर का देशी कट्टा एवं 1 नग जिंदा कारतूस बरामद किया गया।

आरोपी अनुज सेन से पूछताछ करने पर उसने उक्त देशी कट्टा साहिल अहिरवार पिता शिवप्रसाद अहिरवार, उम्र 24 वर्ष, निवासी भीम वार्ड, थाना बीना, से प्राप्त करना बताया आरोपी से प्राप्त जानकारी के आधार पर पुलिस टीम द्वारा साहिल अहिरवार के निवास पर दबिश दी गई। साहिल अहिरवार के कब्जे से 1 नग 38 बोर की देशी रिवाल्वर एवं 1 नग जिंदा कारतूस बरामद किया गया साथ ही उसके पास से अवैध हथियार बनाने में प्रयुक्त विभिन्न उपकरण एवं सामग्री बरामद की गई। बरामद सामग्री में ड्रिल मशीन, पेचकस, पाना, हथौड़ा, लोहे की रॉड, पाइप, स्प्रिंग, 3 कटी हुई नाल, स्क्रू, लकड़ी के गुटके, स्प्रिंग लॉक, कैंची, रापी एवं लोहे की पत्तियां सहित अन्य सामग्री शामिल है।

आरोपी साहिल अहिरवार से पूछताछ में तीसरे आरोपी तक पहुंची पुलिस ने साहिल अहिरवार से पूछताछ करने पर उसने एक देशी पिस्टल सूरज अहिरवार पिता हेमराज अहिरवार, उम्र 23 वर्ष, निवासी आवासीय कॉलोनी, थाना मोतीनगर, जिला सागर को देना बताया। पुलिस टीम द्वारा सूरज अहिरवार की तलाश कर उसे गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से 1 नग 32 बोर की देशी पिस्टल एवं 1 नग जिंदा कारतूस बरामद किया गया। इस प्रकार थाना कैंट पुलिस द्वारा त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार रखने, निर्माण करने एवं सप्लाई से जुड़े 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर 3 अवैध हथियार, 3 जिंदा कारतूस तथा हथियार निर्माण में प्रयुक्त सामग्री बरामद की गई।

जिले में अपेक्षित बारिश नहीं होने से जलसंकट बरकरार, लोग चिंतित

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

छिंदवाड़ा में सावन का आधे से ज्यादा महीना गुजर चुका है, लेकिन अपेक्षित बारिश नहीं होने से छिंदवाड़ा शहर पर एक बार फिर जलसंकट का खतरा मंडराने लगा है। शहर की जलापूर्ति के प्रमुख स्रोत कन्हरगांव डेम का जलस्तर अभी भी उस स्तर तक नहीं पहुंच पाया है, जहां से 31 वार्डों में रोजाना पानी की सप्लाई शुरू की जा सके। फिलहाल डेम का जलस्तर 706.9 मीटर है, जबकि नगर निगम के अनुसार नियमित जलापूर्ति बनाए रखने के लिए करीब 711 मीटर जलस्तर जरूरी है। करीब डेढ़ महीने से इन वार्डों में एक दिन छोड़कर पानी दिया जा रहा है और अब आगे बारिश नहीं हुई तो सप्लाई का अंतराल और बढ़ सकता है।

मंडीदीप में नगरीय व पुलिस प्रशासन ने की ट्राफिक और अतिक्रमण को लेकर कार्रवाई

मंडीदीप । दोपहर मेट्रो

औबेदुल्लागंज एसडीओपी शीला सुराणा व मंडीदीप थाना प्रभारी रंजीत सराठे व साथ मे सतलापुर थाना प्रभारी विजय त्रिपाठी एवं नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि राजेंद्र अग्रवाल उनकी नपा टीम के साथ बीते दिन स्टेशन रोड पर 5 बजे से रात 9 बजे तक अतिक्रमण व ट्राफिक को लेकर मैदान मे टीम के साथ डेढ़ किलोमीटर तक जहा-जहा अतिक्रमण दिखा वहा समझाइश देते हुए अतिक्रमण नहीं करने की हिदायत दी व दुकानदारों को चेतावनी दी कि आगे अतिक्रमण किया तो प्रशासन सामान को जप्त करने की कार्रवाई करेगा।

पुलिस प्रशासन द्वारा बीच सड़क पर लगी कारों के चालानी कार्रवाई करते हुए मोर्चा संभाले रही। जहां आगे भी ये कार्रवाही जारी रहेगी। औबेदुल्लागंज एसडीओपी शीला सुराणा ने बताया कि ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई जारी रहेगी, जो गलत तरीके गाड़ियां अव्यवस्थित खड़ी करेगा तत्काल प्रभाव से ऑनलाइन चालानी कार्रवाई की जाएगी, जो अब निरंतर जारी रहेगी। नपा अध्यक्ष प्रियंका राजेंद्र अग्रवाल ने बताया कि नगर में हर कई दिनों से अतिक्रमण दुकानदारों द्वारा एवं फुटकर व्यापारियों द्वारा किया जा रहा है। जिसको लेकर स्टेशन रोड पर पुलिस प्रशासन द्वारा व नपा द्वारा संयुक्त कार्रवाई जारी है। अब जहां कही अतिक्रमण दिखेगा, तत्काल प्रभाव से सामान जब्ती की कार्रवाई की जाएगी।

मेट्रो एंकर — विधायक-कलेक्टर समेत अधिकारियों से रेत के अवैध परिवहन की शिकायत

रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की आवाज से ग्रामीणों की नींद खराब, जल्द हो कार्रवाई

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

डोंगरवाड़ा खदान के बाद अब रायपुर क्षेत्र में तवा नदी से कथित अवैध रेत उत्खनन और परिवहन का मामला सामने आया है। रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉलियां रात करीब 3 बजे से रायपुर के रहवासी क्षेत्र से गुजर रही हैं। इससे ग्रामीणों की नींद प्रभावित होने के साथ ही सड़क पर हादसे का खतरा भी बढ़ गया है। ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की आवाजाही से सड़क क्षतिग्रस्त होने की शिकायत भी सामने आई है।

मामले को लेकर ग्राम पंचायत रायपुर के सरपंच शशांक मिश्र ने मोर्चा खोलते हुए विधायक डॉ. सीताशरण शर्मा, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, जिला खनिज अधिकारी देवेश मरकाम, एसडीएम और देहात थाना प्रभारी को अलग-अलग लिखित शिकायतें दी हैं। सरपंच ने शिकायत में कहा है कि तवा नदी से रेत निकालकर बिना शासन को राजस्व दिए शहर में बेची जा रही है। रात के समय बड़ी संख्या में ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के गुजरने से ग्रामीण परेशान हैं।

मौखिक शिकायत के बाद भी कार्रवाई पर सवाल

सरपंच ने अधिकारियों को पहले भी अवैध रेत उत्खनन और परिवहन की मौखिक सूचना दिए जाने का उल्लेख किया है। उनका कहना है कि कार्रवाई के दौरान एक-दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियां पकड़कर औपचारिकता पूरी कर दी जाती है, जबकि बड़ी संख्या में वाहन लगातार रेत लेकर नर्मदापुरम शहर की ओर दौड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्कूली बच्चों और ग्रामीणों की आवाजाही के दौरान इन तेज रफ्तार और ओवरलोड वाहनों से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। रात में लगातार ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की आवाजाही से ग्रामीणों में भी आक्रोश बढ़ रहा है। जिला खनिज अधिकारी देवेश मरकाम ने बताया कि अवैध उत्खनन और परिवहन करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। पिछले 10 दिनों में रेत चोरी के आठ प्रकरण दर्ज कराए गए हैं।

कार्रवाई से पहले ही रेत चोरों तक पहुंच रही सूचना

सरपंच ने आरोप लगाया कि रेत चोरी करने वालों का मुखबिर तंत्र मजबूत है। कार्रवाई के लिए अधिकारियों की टीम रवाना होने से पहले ही संबंधित लोगों तक सूचना पहुंच जाती है, जिसके कारण टीम के पहुंचने से पहले वाहन और लोग मौके से गायब हो जाते हैं। शनिवार-रविवार की रात भी एसडीएम, एसडीओपी, जिला खनिज अधिकारी, तहसीलदार, खनिज निरीक्षक और देहात थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई के लिए डोंगरवाड़ा, खर्राघाट और निमसाड़ियां क्षेत्र की खदानों का निरीक्षण किया। हालांकि टीम को किसी भी खदान पर रेत परिवहन करने वाले नहीं मिले और खदानें खाली मिलीं। अब रायपुर सरपंच ने प्रशासन से तवा नदी क्षेत्र में रात के समय विशेष निगरानी और लगातार कार्रवाई की मांग की है।

न्यूज विंडो

सिंगल क्लिक से भेजी सामाजिक सुरक्षा पेंशन और उज्ज्वला योजना की राशि

धार। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल से सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के जरिए प्रदेशभर के सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों और प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की लाड़ली बहनों के खातों में राशि अंतरित की। इस राज्यस्तरीय पहल से प्रदेश के लाखों नागरिकों को सीधा आर्थिक संबल प्राप्त हुआ है। इस योजना के तहत धार जिले के कुल 63,617 सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों के बैंक खातों में 3,81,70,200 रुपए की राशि सफलतापूर्वक पहुंचाई गई। समग्र सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अंतर्गत मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश के लगभग 35 लाख हितग्राहियों के खातों में कुल 211.53 करोड़ रुपए अंतरित किए गए, जिससे धार जिले के वृद्धजन, दिव्यांगजन और निराश्रित नागरिक लाभांवित हुए हैं। सामाजिक सुरक्षा पेंशन के साथ-साथ प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के एलपीजी कनेक्शनधारी प्रदेश की 22 लाख लाड़ली बहनों के खातों में लगभग 99 करोड़ रुपए की अनुदान राशि भी सिंगल क्लिक के माध्यम से भेजी गई। इससे गृहिणियों को रसोई गैस रिफिल कराने में बड़ी आर्थिक सहायता मिलेगी। धार कलेक्ट्रेट के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में जिला कलेक्टर राजीव रंजन मीना की विशेष उपस्थिति में संबंधित अधिकारी और स्थानीय हितग्राही जुड़े रहे। इस अवसर पर कलेक्टर श्री मीना ने जिले के विभिन्न पात्र हितग्राहियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन एवं दिव्यांग पेंशन स्वीकृति के प्रमाण-पत्र अपने हाथों से वितरित किए।

चेन झपटमारी के तीन आरोपी गिरफ्तार, बाइक की बरामद

धार। कोतवाली पुलिस ने त्रिमूर्ति नगर क्षेत्र में हुई चेन झपटमारी की वारदात का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से लूटी गई सोने की चेन और वारदात में इस्तेमाल की गई पल्सर मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। 30 जुलाई 2026 को त्रिमूर्ति नगर निवासी एक महिला के साथ अज्ञात बदमाशों द्वारा सोने की चेन झपट ली गई थी। पीड़िता की शिकायत पर थाना कोतवाली में प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई थी। वारदात की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में थाना कोतवाली, क्राइम ब्रांच धार और थाना धामनोद की एक संयुक्त पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण करने के साथ-साथ घटनास्थल के आसपास लगे दर्जनों सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और अपने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। इसी तकनीकी और छानबीन के आधार पर पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर की थी। पुलिस ने चेन झपटमारी के प्रकरण में शामिल मनीष पिता राकेश भाभर निवासी नयापुरा मानपुर, संजय पिता रामप्रसाद गिरवाल निवासी ग्राम जुलवानिया मानपुर और कमल पिता बद्रीलाल चौहाननिवासी दौलतनगर धार को गिरफ्तार किया है। कड़ाई से पूछताछ के दौरान आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे थाना धामनोद क्षेत्र में हुई लूट की एक अन्य वारदातमें भी वांछित थे। पुलिस आरोपियों से अन्य मामलों के संबंध में भी पूछताछ कर रही है। जिससे और भी वारदातों के खुलासे हो सकते है। पुलिस ने आरोपियों से सोने की चेन और पेंडल के साथ वारदात में उपयोग की गई एक पल्सर बाइ को जब्त किया है। आरोपियों की गिरफ्तारी में क्राइम ब्रांच धार, थाना कोतवाली और थाना धामनोद की संयुक्त पुलिस टीम के अधिकारियों व कर्मचारियों की भूमिका सराहनीय रही।

अनदेखी: नए बिल्डिंग के परिसर में झाड़ियों के साथ खरपतवार

10 साल पहले 27 लाख से बने कृषि विभाग भवन में जीव-जंतुओं का बसेरा

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर में कई शासकीय दफ्तरों के भवनों का निर्माण इसलिए कराया गया ताकि अधिकारियों कर्मचारियों को बैठने की सुविधा हो और यहां आने वाले लोगों को परेशानियां न हो, लेकिन ये भवन जिम्मेदारों की अनदेखी के चलते समय से पहले जर्जर होने लगे हैं, या फिर आधा-अधूरा कार्य कराया गया है। जिसके चलते बिल्डिंग क्षतिग्रस्त हो चुकी है और जीव-जंतु के लिए बसेरा बन कर रह गई है। ऐसा ही कुछ हाल तेंदूखेड़ा नगर में बने कृषि विभाग के भवन का हो रहा है। वार्ड नंबर 9 में कॉलेज के पीछे शासन-प्रशासन द्वारा कृषि विभाग के लिए भवन का निर्माण कार्य तकरीबन 27 लाख रुपए की लागत से कराया गया है, पर इसे अभी तक हैंड ओवर नहीं किया गया है। जबकि इसे बने तकरीबन 10 साल बीत चुके हैं। भवन हैंडओवर न होने के पीछे ठेकेदार द्वारा घटिया निर्माण और अधूरा कार्य करना बताया गया है।

जिम्मेदारों की अनदेखी से लावारिस पड़ा ये भवन जर्जर होने के साथ ही टूट-फूट भी होने लगी है। खिड़कियों के कांच टूट चुके हैं और सामग्री चोरी कर ली गई है। दीवारों में दरारे आ गई है। कुल मिलाकर जिम्मेदारों की अनदेखी से कंडम स्थिति में पहुंच गया है। उसके परिसर में बड़ी बड़ी झाड़ियां खरपतवार और कचरा पड़ा है। बारिश और गर्मी के दिनों में मवेशियों को बांधा जाता है। साथ ही शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है। बताया गया है कि अब ये भवन असामाजिक तत्वों के लिए गलत गतिविधियां करने का केंद्र बनकर रह गया है।

कृषि विभाग के पास खुद का भवन होने के बाद भी कर्मचारियों द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया गया और बीते 10 सालों से कृषि विभाग के अधिकारी मृदा परीक्षण केंद्र भवन में अपना कार्यालय बनाएं हुए है। इस कारण इसमें मृदा प्रयोगशाला कुछ साल तक बंद पड़ी हुई थी जिससे किसानों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था और किसान बिना मिट्टी परीक्षण कराए ही खेती किसानी करने मजबूर थे उस समय यदि मिट्टी की जांच कराना होती थी तो 60 किलोमीटर दूर दमोह मुख्यालय जाना पड़ता था इतन लंबा सफर तय करने से किसान बचते हैं। क्योंकि इसमें उनके पैसे और समय दोनों की बर्बादी होता है, लेकिन अब मृदा परीक्षण केंद्र चालू हो गया है जहां किसानों की मिट्टी की जांच की जा रही है। जहां पर कृषि विभाग का जर्जर भवन बना हुआ है, उसके पास ही छात्रावास और कॉलेज है। साथ ही कई लोगों के रहवासी घर भी है। रहवासियों का कहना है कि कृषि विभाग के इस जर्जर भवन में जहरीले जीव-जंतु का बसेरा बन गया है। यहां से जहरीले कीड़े बाहर निकलकर छात्रावास, कॉलेज कैंपस एवं रहवासी घरों में प्रवेश करते हैं। बरसात और गर्मी में ये समस्या ज्यादा बढ़ जाती है। छात्रावास में कई बार जहरीले जीव को पकड़वाया गया है और जंगल में छोड़ा गया है। लोगों का कहना है कि कृषि विभाग को अपने भवन की मरम्मत कार्य ठेकेदार से करवा लेना चाहिए।

चारों तरफ नजर आ रही कंटीली झाड़ियां और घास

कृषि विभाग के भवन को ठेकेदार द्वारा हैड ओवर नहीं किए जाने के कारण अब उसके चारों तरफ कटीली झाड़ियां और घास नजर आने लगी है। जहां बड़ी संख्या में जहरीले जीवजंतु अपना घर बनाएं हुए हैं और यहां-वहां निकलकर दूसरों के घरों में प्रवेश कर रहे हैं या फिर सड़कों पर दिखाई दे रहे हैं या फिर कृषि मंडी के गोदाम में अंदर पहुंच जाते हैं। क्योंकि इस कृषि विभाग की बिल्डिंग के पास ही कृषि मंडी की गोदामे बनी हुई है। जहां खाद लेने वाले किसानों को भी कई बार यह जहरीले जीव-जंतु दिखाई दिए हैं। साथ ही बच्चों की छात्रावास बनी हुई है। वहीं यहां से लोगों का निकलना होता रहता है कई बार रात्रि में जहरीले जीव-जंतु नजर नहीं आते जिसके कारण भय बना रहता है।

भूत भवन व कांजी हाउस की मिली पहचान

लावारिस हालत में पड़े इस भवन को लोग अब भूत बिल्डिंग या फिर कांजी हाउस के नाम से भी पुकारने लगे हैं। क्योंकि उसमें लोग अपने मवेशियों को बांधकर रखतें हैं। वहीं लोग कहते हैं कि रात में उक्त भवन के अंदर से डरावनी आवाजें आती है। इस कारण लोग भूत बिल्डिंग भी कहने लगे हैं। क्योंकि जिस स्थान पर ये भवन बना है, उसके पास ही मुक्ति धाम है। जहां मृत लोगों का अंतिम संस्कार किया जाता है। अब ये हालात है कि लोग रात में उसके पास से निकलने में डरने लगे है

समझाइश के बाद भी नहीं सुधरे ऑटो चालक पुलिस ने चालान काटकर वसूला जुर्माना

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

ई-रिक्शा एवं ऑटो चालकों द्वारा यातायात नियमों की अनदेखी किए जाने तथा मुख्य मार्गों पर अव्यवस्थित तरीके से वाहन खड़े करने के मामले में नगर निरीक्षक सरोज सिंह ठाकुर ने चालानी कार्रवाई की। इससे ऑटो एवं ई-रिक्शा चालकों में हड़कंप की स्थिति निर्मित हो गई। दरअसल, गुरुवार को ग्राम बम्हौरी पांजी में नगर निरीक्षक सरोज सिंह ठाकुर द्वारा ई-रिक्शा एवं ऑटो चालकों की बैठक लेकर उन्हें यातायात नियमों का पालन करने तथा सुरक्षित परिवहन सुनिश्चित करने की समझाइश दी गई थी। बैठक में चालकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि वाहन की निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां न बैठाएं और वाहन चलाते समय आवश्यक दस्तावेज अपने साथ रखें। नगर निरीक्षक ने विशेष रूप से ई-रिक्शा चालकों को समझाइश देते हुए कहा था कि कई वाहन चालक बिना आवश्यक दस्तावेजों के वाहन संचालित कर रहे हैं तथा तेज गति से वाहन चलाते हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। उन्होंने चालकों से नियमों का पालन करते हुए जिम्मेदारी के साथ वाहन संचालन करने की अपील की थी। स्कूली बच्चों के परिवहन को लेकर भी नगर निरीक्षक ने चालकों को सख्त हिदायत दी थी। उन्होंने कहा था कि छोटे स्कूली बच्चों को अन्य क्षेत्रों से तेंदूखेड़ा लाने-ले जाने के दौरान उनकी सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। ई-रिक्शा में क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाना उनके जीवन को जोखिम में डाल सकता है। ऐसे मामलों में वाहन चालक बच्चों की संख्या और सुरक्षा दोनों की अनदेखी करते हैं। उस समय नगर निरीक्षक ने स्पष्ट किया था कि पहली बार सभी चालकों को समझाइश देकर चेतावनी के साथ छोड़ा जा रहा है। भविष्य में नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इसके बावजूद मंगलवार को साप्ताहिक बाजार के दौरान ऑटो चालकों द्वारा मुख्य मार्गों पर अव्यवस्थित तरीके से ऑटो खड़े किए जाने की शिकायत एवं स्थिति सामने आई।

चोरी की वारदात का खुलासा

4 आरोपी गिरफ्तार और 30 बोरी लहसुन बरामद

धार। दोपहर मेट्रो

नौगांव पुलिस ने लहसुन चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई 30 बोरी लहसुन कीमती 1 लाख 40 हजार और वारदात में उपयोग किया गया पिकअप वाहन भी जब्त किया है जिसकी कीमत 8 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर एसपी सचिन शर्मा ने प्रेस वर्ता कर उक?त मामले का खुलासा कर दिया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 8 अगस्त 2026 को फरियादी मुन्नालाल रेवाटिया निवासी ग्राम तोरनोद ने थाना नौगांव में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके खेत के मकान से लहसुन के कट्टे चोरी हो गए हैं। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की थी। जांच के दौरान फरियादी द्वारा बताया गया कि मकान से कुल 30 बोरी लहसुन चोरी हुई है, जिसके संबंध में ई-साक्ष्य के तहत वीडियो रिकॉर्डिंग कर कथन दर्ज किए गए थे।

पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर व पारुल बेलारपुर के निर्देशन तथा नगर पुलिस अधीक्षक शशांक सिंह गुर्जर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी नौगांव आरएल मिश्रा की टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और क्षेत्र के 20 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए आरोपियों की तलाश शुरू की। दिनांक 10 अगस्त को मुखबिर की सटीक सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ग्राम तोरनोद और खिलचीपुरा क्षेत्र से 4 आरोपियों अनिल पिता रमेश मावी, राहुल पिता हरिश सवराया तोरनोद, रवि पिता पुना बसुनिया तोरनोद और मुकेश पिता भगवान निवासी लसुडिया को गिरफ्तार किया।

मेट्रो एंकर | 24 घंटे के लिए दर्शन का अलौकिक अवसर

नागपंचमी पर खुलेगा नागचंद्रेश्वर मंदिर सावन के तीसरे सोमवार को अद्भुत संयोग

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

उज्जैन में नागपंचमी के अवसर पर 17 अगस्त को साल में एक बार खुलने वाले भगवान नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट खोले जाएंगे। इस बार नागपंचमी और सावन के तीसरे सोमवार का दुर्लभ संयोग है। नागचंद्रेश्वर के पट 16 अगस्त की रात 12 बजे से 17 अगस्त की रात 12 बजे तक 24 घंटे खुले रहेंगे।

सावन के पावन महीने में अवंतिका नगरी एक बार फिर अलौकिक और ऐतिहासिक दृश्य की साक्षी बनने जा रही है। आगामी 17 अगस्त (सोमवार) को नागपंचमी के महापर्व पर श्री महाकालेश्वर मंदिर के शीर्ष पर स्थित भगवान श्री नागचंद्रेश्वर के पट पूरे एक साल बाद खोले जाएंगे। इस बार का संयोग बेहद अद्भुत है, क्योंकि नागपंचमी के दिन ही सावन का तीसरा सोमवार भी है। यानी श्रद्धालुओं को एक ही दिन भगवान नागचंद्रेश्वर के दर्शन के साथ-साथ बाबा महाकाल की दिव्य सवारी का पुण्य लाभ भी मिलेगा। इस दुर्लभ संयोग के चलते धार्मिक नगरी उज्जैन में लाखों श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटने का अनुमान है। प्रशासन और मंदिर समिति ने आस्था के इस महाकुंभ को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है।

दर्शन करने का ऐसा रहेगा कार्यक्रम

भगवान श्री नागचंद्रेश्वर के पट 16 अगस्त की मध्यरात्रि 12 बजे से 17 अगस्त की रात 12 बजे तक यानी पूरे 24 घंटे के लिए खुले रहेंगे।

प्रथम पूजन:16 अगस्त की रात 11: 30 बजे से 12 बजे के बीच महंत पंचायती महानिर्वाणी अखाड़ा द्वारा पट खुलने के साथ ही मुख्य पूजन होगा।

शासकीय व संध्या आरती पूजन:17 अगस्त दोपहर 12 बजे शासकीय पूजन होगा, जिसके बाद शाम की आरती के समय मंदिर के पुजारी और पुरोहित विधि-विधान से अर्चन करेंगे।

श्रद्धालुओं के लिए चाक-चौबंद इंतजाम: लाखों की संख्या में आने वाले भक्तों की सुविधा के लिए शहर में विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं।

सुगम पार्किंग: बाहर से आने वाले वाहनों के लिए हरिफाटक पुल के पास मेघदूत पार्किंग, कर्कराज महादेव मंदिर के समीप, कार्तिक मेला ग्राउंड और बड़नगर रोड (धन उपार्जन केंद्र) को प्रमुख पार्किंग स्थल बनाया गया है।

लड्डू प्रसाद और जूता स्टैंड: भक्तों को महाप्रसाद के लिए भटकना न पड़े, इसके लिए हरसिद्धि पाल, भील समाज धर्मशाला और कर्कराज पार्किंग पर अस्थायी लड्डू प्रसाद काउंटर और जूता स्टैंड बनाए गए हैं।

स्वास्थ्य एवं एंबुलेंस सेवा: श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए परिसर और मुख्य मार्गों पर डॉक्टरों की टीम तैनात रहेगी। कर्कराज, बड़ा गणेश और त्रिवेणी सरफेस पार्किंग जैसे प्रमुख पॉइंट पर चौबीसों घंटे एंबुलेंस उपलब्ध रहेगी।

दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए व्हीलचेयर: बुजुर्ग और दिव्यांग भक्तों की सहायता के लिए जूता स्टैंड व प्राथमिक चिकित्सा केंद्रों के पास व्हीलचेयर और सहायक कोटवारों की ड्यूटी रहेगी।

हेल्पडेस्क और स्काउट्स: भटकने या बिछड़ने पर मदद के लिए स्काउट एंड गाइड द्वारा खोया-पाया और पूछताछ केंद्र संचालित किए जाएंगे।

मूक-बधिर नाबालिग से पड़ोसी ने की हैवानियत, आरोपी को भेजा जेल

मंडला। दोपहर मेट्रो

मंडला जिले के अंजनिया चौकी क्षेत्र में 12 वर्षीय मूक-बधिर नाबालिग से दुष्कर्म का गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में 45 वर्षीय पड़ोसी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार घटना सात अगस्त की शाम की है। नाबालिग उस समय घर में अकेली थी। आरोप है कि इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला आरोपी घर में घुस आया और नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया। इसी बीच बच्ची की मां घर पहुंच गई। मां को देखकर आरोपी मौके से फरार हो गया। पीड़िता की मां ने अंजनिया चौकी पहुंचकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने उसी रात आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की और 11 अगस्त को उसे गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

कुल्हाड़ी से हमला कर की पत्नी की निर्मम हत्या, आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। दोपहर मेट्रो

जिले के बुढ़ार थाना क्षेत्र के सरईकापा गांव में घरेलू विवाद के दौरान एक पति ने अपनी पत्नी पर धारदार हथियार से हमला कर उसकी हत्या कर दी। घटना देर शाम की बताई जा रही है। वारदात के बाद परिजनों ने आरोपी पति को एक कमरे में बंद कर दिया और तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही बुढ़ार पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में ले लिया। जानकारी के अनुसार, सरईकापा निवासी काजल बैगा (23) की उसके पति सुनील बैगा ने कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि पति-पत्नी के बीच किसी घरेलू बात को लेकर विवाद हुआ था। विवाद इतना बढ़ गया कि सुनील ने काजल पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने से महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद परिवार के लोगों ने आरोपी पति को कमरे में बंद कर दिया, ताकि वह मौके से भाग न सके। इसके बाद पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को हिरासत में लिया और घटनास्थल का निरीक्षण किया। महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। बताया जा रहा है कि आरोपी सुनील बैगा बाहर रहकर काम करता था और कुछ दिन पहले ही गांव वापस लौटा था।

लिपिक के घर छापा मारा

जबलपुर। जबलपुर की आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ की टीम ने बुधवार सुबह मंडला में वन विभाग के एक लिपिक के घर छापा मारा। यह कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायत के बाद की गई। टीम ने पश्चिम सामान्य वन मंडल मंडला में पदस्थ लिपिक स्वेतांक चौरसिया के राज राजेश्वरी वार्ड स्थित आवास पर दबिश दी। स्वेतांक चौरसिया के खिलाफ आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति जमा करने की शिकायत मिली थी।

कार्यालय पुलिस थाना-शाहजहानाबाद (नगरीय पुलिस) जिला - भोपाल

Mail ID- psabad@gmail.com फोन नं. 07552443350, 9479990570
कार्यालय गेट केन चंम्पी के पास निमा - भोपाल (म.प्र.)
क्रमांक/थाना/गुमशुदा/45/मार्ग/0 19/03B/2026 दिनांक:- 11.08.2026

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि थाना शाहजहानाबाद (नगरीय पुलिसा, जिला-भोपाल के मर्ग क्रमांक 018/2026 धारा-194 भा. न. सं. दिक 2023 का मृतक अज्ञात पुरुष उम्र लगभग 30 साल जिसका हुलिया रंग सांवला, गोल चेहरा, मोटा सा शरीर, काली नुकी दार मूंछ है। डेढ़ दिन पहले दिनांक 09.08.2026 को पेट्रल पंप अम्रझा खाड़ी मार्केट के पीछे बेरखेड़ापंथ स्टेट हाईवे पुल के किनारे सिर पर 2 इजेंक्शन के निशान एवं मुंह पर चोट के साथ लगभग 5 फुट 6 इंच लंबाई दस्ताने रंग के जूता है। सफेद के निशान वाली, चैकदार शर्ट व खैर नुमा के सफेद में रंगाई पटनलूपार है। यदि मृतक के सम्बध में कोई जानकारी हो तो थाना शाहजहानाबाद, भोपाल फोन नम्बर 9479990570, 6260854665, 8014042017 पर सम्पर्क कर जानकारी देने का कष्ट करें।

थाना प्रभारी
थाना शाहजहानाबाद, भोपाल

पी-17010/26

सूचना देने वाले सूचनावर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश

लिंक रोड 03, पत्रकार कॉलोनी के सामने, भोपाल म.प्र. Email:- tendersnhmmp@gmail.com
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
क्रमांक/एनएचएम/स्टोर/2026/E-1214082/1834 भोपाल, दिनांक 10/08/2026

विज्ञापन

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिंशन म.प्र. भोपाल कार्यालय द्वारा ई-निंविदा के माध्यम से दरें आमंत्रित की ज्ञाती हैं.। इच्छुक निविंदाकारों योग्य रुपये 2,000/- (रू. दो हजार मात्र) का ऑनलाइन एम.पी. ई-टेंडर पर भुग्रतान कर निविदा प्रस्तुत कर सकते हैं, विवरण निम्नानुसार है:-

निविदा विवरण

क्र.	निविदा का नाम	निविदा प्राप्त करने/ जमा करने की तिथि	प्रि-बिड बैठक दिनांक	निविदा प्राप्त जमा करने की प्रारंभ तिथि	निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	निविदा खोलने की तिथि
1.	Request for Proposal For Supply of Cleaning, Crockery and other items to National Health Mission, Madhya Pradesh	11.08.2026	18.08.2026	25.08.2026	07.09.2026	08.09.2026

निविदा विवरण/दस्तावेज बेबसाइट https://www.mptenders.gov.in एवं https://www.nhmmp.gov.in पर उपलब्ध हैं।
(अन्य नियम सेवाफ्तक, एनएचएम द्वारा अनुमोदित)

जी-16986/26 "मध्य प्रदेश कुशला हैं उद्योगमेय, चलो औद्योगिक करें हम सब" संयुक्त संचालक स्टोर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश

15 अगस्त से टेस्ट सीरीज का आगाज: डब्ल्यूटीसी में बढ़त मजबूत करने उतरेगी शुभमन गिल की टीम

टीम इंडिया सावधान! गॉल में श्रीलंका के 5 खिलाड़ी बिगाड़ सकते हैं खेल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और श्रीलंका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का आगाज 15 अगस्त से होने जा रहा है। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम की नजरें सीरीज जीतकर आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 में अपनी स्थिति मजबूत करने पर होंगी। पहला टेस्ट गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। कागज पर भारतीय टीम अधिक मजबूत दिखाई देती है, लेकिन श्रीलंका की परिस्थितियों में खेलना भारत के लिए आसान चुनौती नहीं होगी। गॉल की पिच पर स्पिन गेंदबाजों को मदद मिलती है और मुकाबला आगे बढ़ने के साथ पिच में पड़ने वाली दरारें स्पिनरों के लिए परेशानी और बढ़ा सकती हैं। ऐसे में भारतीय बल्लेबाजों को श्रीलंका के कुछ खास खिलाड़ियों से सबसे ज्यादा सतर्क रहना होगा।

प्रभात जयसूर्या बन सकते हैं सबसे बड़ा खतरा– श्रीलंका के बाएं हाथ के स्पिनर प्रभात जयसूर्या भारतीय बल्लेबाजों के लिए सबसे बड़ी चुनौती साबित हो सकते हैं। गॉल की परिस्थितियों से वह अच्छी तरह परिचित हैं और यहां गेंद को घुमाने के साथ-साथ उछाल हासिल करने की क्षमता रखते हैं। टेस्ट मैच के शुरुआती चरण में पिच बल्लेबाजी के लिए बेहतर रह सकती है, लेकिन जैसे-जैसे मुकाबला आगे बढ़ेगा, सतह पर दरारें पड़ने से स्पिनरों का प्रभाव बढ़ सकता है। ऐसे समय में जयसूर्या की घूमती गेंदें भारतीय बल्लेबाजों की परीक्षा ले सकती हैं। खासकर बाएं हाथ के इस स्पिनर के सामने भारतीय बल्लेबाजों को धैर्य के साथ बल्लेबाजी करनी होगी।

पथुम निसांका को जल्दी आउट करना जरूरी

श्रीलंका के सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका भी भारतीय गेंदबाजों के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं। निसांका इस समय शानदार लय में नजर आ रहे हैं और तेज तथा स्पिन दोनों तरह की गेंदबाजी के खिलाफ आत्मविश्वास के साथ बल्लेबाजी करते हैं। अगर वह शुरुआती झटकों से बचकर क्रीज पर टिक गए तो भारतीय गेंदबाजों के लिए मुश्किलें बढ़ सकती हैं। निसांका लंबी पारी खेलने की क्षमता रखते हैं और एक बार सेट होने के बाद तेजी से रन बनाकर मैच का रुख श्रीलंका के पक्ष में मोड़ सकते हैं।

कामिन्दु मेंडिस का खेल बिगाड़ सकता है समीकरण

कामिन्दु मेंडिस पिछले कुछ समय में श्रीलंका के अहम खिलाड़ियों में शामिल हो चुके हैं। उनकी सबसे बड़ी खासियत उनकी बहुआयामी क्षमता है। वह जरूरत के मुताबिक आक्रामक बल्लेबाजी कर सकते हैं और मुश्किल परिस्थितियों में धैर्य के साथ लंबी पारी भी खेल सकते हैं। मेंडिस गेंदबाजी में भी श्रीलंका को विकल्प देते हैं। दोनों हाथों से स्पिन गेंदबाजी करने की उनकी क्षमता उन्हें दूसरे खिलाड़ियों से अलग बनाती है। भारत के खिलाफ वह बल्ले और गेंद दोनों से प्रभाव डालकर मुकाबले का समीकरण बदल सकते हैं।

चांदीमल भारत के लिए बन सकता है सिरदर्द

दिनेश चांदीमल श्रीलंका के अनुभवी बल्लेबाज हैं। दबाव की स्थिति में पारी को संभालने और लंबी साझेदारी बनाने की उनकी क्षमता भारतीय गेंदबाजों के लिए परेशानी पैदा कर सकती है। अगर शुरुआती बल्लेबाजों के विकेट जल्दी गिरते हैं तो चांदीमल पर श्रीलंकाई पारी को संभालने की जिम्मेदारी होगी। उनके पास परिस्थितियों के अनुसार बल्लेबाजी करने का लंबा अनुभव है, इसलिए भारतीय गेंदबाज उन्हें आसानी से खुलकर खेलने का मौका नहीं देना चाहेंगे।

धनंजय डी सिल्वा कभी भी बदल सकते हैं मैच का रुख

धनंजय डी सिल्वा श्रीलंका के उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जो बल्ले और गेंद दोनों से योगदान देने की क्षमता रखते हैं। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी अचानक मैच की गति बदल सकती है। वहीं, जरूरत पड़ने पर उनकी गेंदबाजी भी कप्तान के लिए उपयोगी विकल्प साबित हो सकती है।

भारत के लिए सीरीज जीतना आसान नहीं

भारतीय टीम भले ही मजबूत नजर आ रही हो, लेकिन गॉल की परिस्थितियां श्रीलंका को अतिरिक्त फायदा दे सकती हैं। स्पिन, धीमी पिच और घरेलू परिस्थितियों की जानकारी के चलते मेजबान टीम मुकाबले को कड़ा बनाने की पूरी कोशिश करेगी। ऐसे में शुभमन गिल की टीम को सिर्फ बड़े नामों पर निर्भर रहने के बजाय शुरुआती सत्र से ही अनुशासित क्रिकेट खेलना होगा। बल्लेबाजों को श्रीलंकाई स्पिनरों के खिलाफ संयम दिखाना होगा, जबकि गेंदबाजों को निसांका और चांदीमल जैसे बल्लेबाजों को लंबी पारी खेलने से रोकना होगा। एक छोटी सी गलती भी गॉल में टीम इंडिया की

दो बार की विश्व चैंपियन वेस्टइंडीज को जोरदार झटका!

2027 विश्व कप में सीधे एंट्री का सपना टूटा, अफगानिस्तान ने मारी बाजी

नई दिल्ली , एजेंसी

दो बार की वनडे विश्व चैंपियन वेस्टइंडीज को 2027 विश्व कप से पहले बड़ा झटका लगा है। कैरेबियाई टीम अब सीधे विश्व कप में जगह नहीं बना पाएगी और उसे क्वालिफायर का कठिन रास्ता अपनाना होगा। सोमवार को बेलफास्ट में अफगानिस्तान ने आयरलैंड को हराकर सीधे क्वालिफाई करने वाली टीमों में अपनी जगह पक्की कर ली। इसके साथ ही वेस्टइंडीज की शीर्ष आठ गैर-मेजबान टीमों में जगह बनाने की उम्मीदें पूरी तरह खत्म हो गईं।

2027 वनडे विश्व कप के लिए 30 सितंबर 2026 की आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग को आधार बनाया जाएगा। शीर्ष आठ गैर-मेजबान टीमें सीधे विश्व कप के लिए क्वालिफाई करेंगी। वहीं दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया को मेजबान होने के कारण सीधे प्रवेश मिलेगा। अफगानिस्तान के सीधे क्वालिफाई करने के बाद अब ऑस्ट्रेलिया, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, श्रीलंका, इंग्लैंड

भारत के खिलाफ जीत भी नहीं बदल पाएगी तस्वीर

वेस्टइंडीज फिलहाल 10वें स्थान पर है और उसके पास कटऑफ से पहले भारत के खिलाफ दो वनडे मुकाबले बाकी हैं। हालांकि, इन दोनों मैचों में जीत हासिल करने के बावजूद कैरेबियाई टीम सीधे क्वालिफाई नहीं कर पाएगी। अब वेस्टइंडीज को अगले साल फरवरी से शुरू होने वाले क्वालिफायर में उतरना होगा। यहां से उसे मुख्य विश्व कप में जगह बनाने के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ेगा। वेस्टइंडीज के लिए यह स्थिति बेहद निराशाजनक है। 2019 में भी उसे क्वालिफायर के जरिए विश्व कप में जगह बनानी पड़ी थी। 2023 में तो टीम क्वालिफायर में ही बाहर हो गई थी और मुख्य विश्व कप का हिस्सा नहीं बन सकी थी। कभी विश्व क्रिकेट की सबसे मजबूत टीमों में गिनी जाने वाली वेस्टइंडीज के लिए लगातार तीसरी बार क्वालिफायर का रास्ता अपनाना उसके क्रिकेट ढांचे और प्रदर्शन पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

ऐसे होगा विश्व कप के लिए क्वालिफायर

आईसीसी ने 2027 विश्व कप के प्रारूप में बदलाव किया है। मुख्य क्वालिफायर में कुल 10 टीमें हिस्सा लेंगी। वेस्टइंडीज और आयरलैंड को इसमें सीधे प्रवेश मिलेगा। इनके अलावा विश्व कप लीग-2 की शीर्ष चार और क्वालिफायर प्लेऑफ की शीर्ष चार टीमें मुख्य क्वालिफायर में पहुंचेंगी। क्वालिफायर प्लेऑफ में विश्व कप लीग-2 की निचली चार और चैलेंज लीग की चार टीमें मुकाबला करेंगी। यहां से शीर्ष चार टीमें मुख्य क्वालिफायर में जाएंगी। मुख्य क्वालिफायर की 10 टीमों में से शीर्ष चार को 2027 विश्व कप का टिकट मिलेगा। 2027 विश्व कप में 14 टीमें हिस्सा लेंगी और मुकाबले तीन चरणों में खेले जाएंगे। सबसे निचली रैंक वाली तीन टीमें पहले चरण में सुपर सीरीज खेलेंगी। इनमें से शीर्ष टीम अगले दौर में जाएगी।

स्क्वैश पीएसए चैलेंजर टूर

सूरज ने मेनशावी को हराया, संदेश ने वजीराली को चौंकाया

कोलकाता। एचसीएल स्क्वैश पीएसए चैलेंजर टूर में पुरुष प्री-क्वार्टर फाइनल में सूरज कुमार चंद ने मिस्र के हसन मेनशावी के खिलाफ 11-4, 8-11, 11-2, 9-11, 11-8 से जीत हासिल की। वर्ल्ड यूनिवर्सिटी स्क्वैश चैंपियनशिप में सिंगल्स का खिताब जीतने वाले सूरज कुमार चंद ने यह मुकाबला 73 मिनट में अपने नाम किया। एक अन्य रोमांचक मुकाबले में, संदेश पलानीवेल रविकुमार ने 0-2 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए छठे सीड अयान वजीराली को 6-11, 10-12, 11-5, 11-6, 11-7 से मात देकर मेंस क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। वहीं, महिलाओं के वर्ग में, टॉप सीड तन्वी खन्ना ने वसुंधरा नंगारे को सीधे गेम में हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इससे पहले, सोमवार को पुरुष सिंगल्स के शुरुआती दौर में अरिहंत केएस ने स्विट्जरलैंड के लिएंड्रो मैनहार्ट को 11-6, 9-11, 13-11, 11-4 से मात दी। महिलाओं के पहले दौर के मुकाबलों में, पूजा आरती रघु ने वापसी करते हुए काशवी मंगल को 13-15, 11-6, 11-6, 7-11, 11-9 से हराया। एक अन्य भारतीय खिलाड़ी, अनन्या नारायणन ने आहना सिंह को 8-11, 11-2, 11-8, 11-8 से हराया

फुटबॉल के देश में क्रिकेट का नया सितारा,

टी20 विश्व कप क्वालीफायर में 39 वर्षीय मोइसेस हेनरिक्स संभालेंगे पुर्तगाल की कमान

नई दिल्ली, एजेंसी

फुटबॉल के लिए दुनियाभर में मशहूर पुर्तगाल अब क्रिकेट के मैदान पर भी अपनी पहचान बनाने की तैयारी में है। आगामी टी20 विश्व कप क्वालीफायर के लिए पुर्तगाल ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। सबसे खास बात यह है कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व स्टार ऑलराउंडर मोइसेस हेनरिक्स को टीम का नया कप्तान बनाया गया है। 39 वर्षीय हेनरिक्स अब पुर्तगाल की टीम को पहली बार टी20 विश्व कप के मुख्य टूर्नामेंट तक पहुंचाने की चुनौती संभालेंगे।

हेनरिक्स ने ऑस्ट्रेलिया के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लंबा समय बिताया है। उन्होंने चार टेस्ट, 16 वनडे और 24 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। ऑस्ट्रेलिया के घरेलू क्रिकेट में न्यू साउथ वेल्स और सिडनी सिक्सर्स के लिए भी उन्होंने लंबे समय तक शानदार प्रदर्शन किया। हाल ही में उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई घरेलू क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। अब उनके करियर ने नया मोड़ लिया है। पुर्तगाल की कप्तानी स्वीकार कर हेनरिक्स अपने अनुभव का इस्तेमाल उस टीम को आगे बढ़ाने में करना चाहेंगे, जो क्रिकेट के वैश्विक मंच पर अपनी जगह मजबूत करने की कोशिश कर रही है।

पुर्तगाल से है खास रिश्ता

हेनरिक्स का पुर्तगाल से जुड़ाव महज क्रिकेट तक सीमित नहीं है। उनका जन्म पुर्तगाल के मदीरा द्वीप पर हुआ था। यही वह स्थान है जहां दुनिया के मशहूर फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो का भी जन्म हुआ था। हालांकि बचपन में हेनरिक्स का परिवार ऑस्ट्रेलिया चला गया और वहीं उन्होंने क्रिकेट में अपना करियर बनाया। अब अपने जन्मस्थान के देश के लिए मैदान में उतरना उनके लिए खास अनुभव होगा।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

शादी के डेढ़ महीने बाद हनीमून पर एक्ट्रेस पलक

बर्फीली वादियों में रोमांटिक हुआ पति, गोद में लेकर झूमा

मशहूर टीवी एक्ट्रेस पलक पुरसवानी इस समय लाइफ के हैप्पी फेज में हैं। पलक ने जून 2026 में बॉयफ्रेंड रोहन खन्ना संग शादी करके घर बसाया है। शादी के करीब डेढ़ महीने बाद पलक अब पति संग स्विट्जरलैंड में हनीमून एन्जॉय कर रही हैं। एक्ट्रेस ने हनीमून से वीडियो-फोटोज फैंस संग भी शेयर किए हैं। कपल स्विट्जरलैंड की हसीन और बर्फीली वादियों में एक दूसरे संग रोमांटिक होता नजर आ रहा है।

रोहन अपनी स्वीटहार्ट पलक को गोद में उठाकर झूमते दिखे। रोहन और पलक एक दूजे की बांहों में नजर आ रहे हैं। दोनों का प्यार और सिजलिंग केमिस्ट्री किसी की भी धड़कनें तेज कर सकती है। दोनों एक दूजे के प्यार में पूरी तरह के डूबे हुए देखे जा सकते हैं।

पलक ने इंस्टा स्टोरी पर भी हनीमून से अपने कुछ फोटोज भी शेयर किए हैं। खूबसूरत बर्फीली पहाड़ियों के बीच पलक सुकून के पल बिताती नजर आईं। उनके चेहरे की मुस्कान उनकी खुशी को जगजाहिर कर रही है। पलक को इतना खुश और एक्साइटेड देखकर फैंस भी खुशी से गदगद हो गए हैं। फैंस उन्हें हमेशा ऐसे ही खुश रहने की दुआएं दे रहे हैं।

फैंस हुए इंप्रेस, लुटाया प्यार

पलक के वीडियो के कमेंट सेक्शन में लोग उनपर प्यार लुटा रहे हैं। कोई उन्हें पावर कपल बता रहा है, तो कोई उन्हें क्यूट बोल रहा है। कई लोग उन्हें किंग और क्वीन बता रहे हैं। पलक और रोहन के प्यार और खूबसूरत बॉन्ड ने हर किसी का दिल जीत लिया है। बता दें कि पलक पुरसवानी ने रोहन खन्ना संग 26 जून को ईशा सेंटर, कोयंबटूर में शादी की थी। आदियोगी की मूर्ति के सामने कपल ने फेरे लिए थे। दोनों की शादी में सिर्फ परिवार के लोग ही शामिल हुए थे। शादी के बाद एक्ट्रेस अब अपनी लाइफ के सबसे खूबसूरत और हसीन पलों को जी रहे हैं।

बेटे विहान पर बरसा मां स्नेहा का प्यार

बोलीं- तुम मेरे दिल का वो टुकड़ा हो जो बाहर चलता-फिरता है

मुंबई। दक्षिण भारतीय सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री स्नेहा ने अपने बेटे विहान का 11वां जन्मदिन खास अंदाज में मनाया। इस मौके पर अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर बेटे की तस्वीरें साझा करते हुए उसके लिए बेहद भावुक संदेश लिखा। स्नेहा ने बेटे को अपनी जिंदगी की सबसे बड़ी खुशी और भगवान का आशीर्वाद बताया।

स्नेहा ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में विहान को जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा कि 11 साल पहले उसके जिंदगी में आने के बाद उन्हें ऐसा प्यार मिला, जिसका अनुभव उन्होंने पहले कभी नहीं किया था। बेटे को बड़ा होते, सीखते और मुस्कुराते देखना उनके लिए सबसे बड़ी खुशी और गर्व की बात है। अभिनेत्री ने अपने संदेश में बेटे के लिए दुआ करते हुए कहा कि वह हमेशा दयालु, बहादुर और मजबूत बने। अपने सपनों को पूरा करने के लिए वह कभी कोशिश करने से न डरे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सफलता हो या गलती, खुशी का पल हो या मुश्किल समय, वह हमेशा बेटे के साथ खड़ी रहेंगी।

स्नेहा ने विहान के लिए अपने प्यार का इजहार करते हुए कहा कि वह अपने बच्चे से इतना प्यार करती हैं,

जिसे शब्दों में बयां करना संभव नहीं है। उन्होंने बेटे को अपने दिल का ऐसा हिस्सा बताया, जो अब उनके सामने एक अलग जिंदगी जी रहा है। अभिनेत्री ने बेटे के साथ अपनी और परिवार की कई तस्वीरें भी साझा कीं। इनमें वह अपने दोनों बच्चों के साथ नजर आ रही हैं। तस्वीरें सामने आने के बाद प्रशंसकों ने विहान को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। स्नेहा ने अभिनेता प्रसन्ना से वर्ष 2012 में शादी की थी। दोनों के दो बच्चे हैं, बेटा विहान और बेटी आद्या।

मेट्रो बाजार

शिप रीसाइक्लिंग का सरताज भारत! 5 साल पहले हासिल किया बड़ा लक्ष्य

नई दिल्ली। समुद्री क्षेत्र में भारत ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। देश ने मैरीटाइम इंडिया विजन 2030 के तहत दुनिया का अग्रणी जहाज रीसाइक्लिंग राष्ट्र बनने का लक्ष्य तय समय से करीब पांच साल पहले ही हासिल कर लिया है। सरकारी फैक्टशीट के मुताबिक, वर्ष 2025 में भारत दुनिया में जहाज रीसाइक्लिंग के मामले में पहले स्थान पर रहा। वैश्विक बाजार में भारत की हिस्सेदारी भी बढ़कर 35.4 प्रतिशत हो गई है।

एक साल में 60 फीसदी बढ़ी रीसाइक्लिंग क्षमता– व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक जहाज रीसाइक्लिंग में भारत की हिस्सेदारी 2024 में 30.1 प्रतिशत थी, जो 2025 में बढ़कर 35.4 प्रतिशत हो गई। यह वृद्धि भारत के समुद्री उद्योग के साथ-साथ जहाज रीसाइक्लिंग क्षेत्र की बढ़ती क्षमता को दर्शाती है। भारत में जहाज रीसाइक्लिंग की मात्रा भी तेजी से बढ़ी है। वर्ष 2024 में जहां 1.86 मिलियन सकल टन (त्ज्ञ) जहाजों का रीसाइक्लिंग हुआ था, वहीं 2025 में यह आंकड़ा बढ़कर 2.99 मिलियन त्ज्ञ पहुंच गया। यानी एक साल में रीसाइक्लिंग मात्रा में करीब 60 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। गुजरात का अलंग-सोसिया शिप रीसाइक्लिंग क्लस्टर भारत की इस सफलता का सबसे बड़ा केंद्र है। इसे दुनिया के सबसे बड़े जहाज रीसाइक्लिंग केंद्रों में गिना जाता है।

चीन को बड़ा झटका, भारत में चीनी मोबाइलों से दूरी; सैमसंग और एप्पल की बढ़ी पकड़

स्मार्टफोन बाजार में 11.1 फीसदी गिरावट, महंगे फोन की ओर बढ़ा ग्राहकों का रुझान

नई दिल्ली। भारत के स्मार्टफोन बाजार में चालू वर्ष की दूसरी तिमाही में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। अप्रैल से जून के बीच देश में कुल 3.32 करोड़ स्मार्टफोन बाजार में पहुंचे, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के मुकाबले 11.1 फीसदी कम हैं। बाजार में आई इस गिरावट का सबसे ज्यादा असर चीनी कंपनियों पर पड़ा है। वहीं सैमसंग और एप्पल ने अपने कारोबार को लगभग स्थिर रखते हुए बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने में सफलता हासिल की है। आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष की पहली छमाही में भारत में कुल 6.42 करोड़ स्मार्टफोन बाजार में पहुंचे। यह पिछले पांच वर्षों में जनवरी से जून के बीच दर्ज की गई सबसे कम आपूर्ति है। सालाना आधार पर इसमें 7.9 फीसदी की गिरावट आई है। हालांकि, कंपनियों की कुल कमाई में 3.6 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। इससे संकेत मिलता है कि ग्राहकों ने संख्या में कम मोबाइल खरीदे, लेकिन महंगे और बेहतर श्रेणी के फोन को प्राथमिकता दी।

स्मार्टफोन के जरूरी कलपुर्जों, खासकर स्मृति चिप की कीमतों में बढ़ोतरी का असर मोबाइल की कीमतों पर पड़ा। कंपनियों ने लागत बढ़ने के कारण छूट कम की और कीमतों में बढ़ोतरी की। इसका सीधा असर मांग पर दिखाई दिया। दूसरी तिमाही में वीवो के मोबाइलों की आपूर्ति में 13.9 फीसदी की गिरावट आई। उसकी बाजार हिस्सेदारी भी 19 फीसदी से घटकर 18.4 फीसदी रह गई। ओप्पो की बिक्री में 8.5 फीसदी, श्याओमी में 10 फीसदी और रियलमी में 14.2 फीसदी की कमी दर्ज की गई।

ब्रह्मपुत्र की बाहों में बसा माजुली कुदरत का अनोखा संसार

असम का माजुली दुनिया के सबसे बड़े नदी द्वीपों में शुमार है। चारों तरफ से ब्रह्मपुत्र नदी से घिरा यह द्वीप प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध जनजातीय संस्कृति का अनोखा संगम है। माजुली तक पहुंचने के लिए जोरहाट के निमाती घाट से फेरी सेवा उपलब्ध है। यही फेरी द्वीप को मुख्य भूमि और बाकी दुनिया से जोड़ती है। यहां से दिन में करीब पांच बार फेरी माजुली के लिए रवाना होती है। द्वीप पर कई जनजातीय समुदाय रहते हैं, जिनकी जीवनशैली, परंपराएं और संस्कृति पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। शांत वातावरण, नदी का विशाल विस्तार और हरियाली माजुली को खास बनाती है। प्राकृतिक सौंदर्य और स्थानीय संस्कृति को करीब से देखने के लिए नवंबर से मार्च तक का समय सबसे बेहतर माना जाता है।

न्यूज विंडो

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने माना- ईरान के डर से बदलना पड़ा था प्लेन

वॉशिंगटन. एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मान लिया है कि उन्होंने पिछले महीने तुर्किए में ईरान के डर से प्लेन बदला था। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि वे जिस प्लेन से नाटो समिट में हिस्सा लेने गए थे उस पर हमले का सबसे ज्यादा खतरा था। ट्रम्प ने यह भी बताया कि उन्हें सुरक्षा कारणों से एयरपोर्ट के केटरिंग ट्रक में बैठाकर दूसरे विमान तक ले जाया गया।ट्रम्प ने कहा कि अगर कोई हमला होता तो उसी प्लेन को निशाना बनाया जाता। मैं वही करता हूं, जो सुरक्षा एजेंसियां कहती हैं। मुझे लगातार धमकियां मिलती रहती हैं। इससे पहले वॉशिंगटन पोस्ट ने दावा किया था कि 8 जुलाई को अंकारा से रवाना होते समय ट्रम्प कैमरों के सामने बोइंग 747-8 एयर फोर्स वन में सवार हुए थे। यह विमान उन्हें कतर ने गिफ्ट किया था। इसके बाद एयरपोर्ट पर सामान और खाना पहुंचाने वाली केटरिंग गाड़ी की मदद से उन्हें चुपचाप अमेरिकी वायुसेना के वीआईपी सैन्य विमान ष्ट-32 तक ले जाया गया।

सरकारी स्कूल की 31 छात्राएं हुईं बीमार, अस्पताल में कराया भर्ती

कोलकाता. एजेंसी। कोलकाता के श्यामबाजार इलाके के एक सरकारी स्कूल में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब 31 छात्राओं की एकसाथ तबीयत खराब हो गई। बीती रात 31 छात्राओं में मतली, उल्टी और पेट दर्द की शिकायत हुई, जिसके बाद उन्हें आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल ले जाया गया। राज्य स्वास्थ्य मंत्री शरदवत मुखोपाध्याय ने देर रात अस्पताल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि शाम करीब 6 बजे कुछ छात्राओं को मतली और पेट दर्द की शिकायत हुई। हॉस्टल वार्डन ने तुरंत उन्हें अस्पताल पहुंचाया। कुछ छात्राओं में डिहाइड्रेशन भी था। तुरंत इलाज शुरू किया गया और एक घंटे के अंदर सभी की हालत स्थिर हो गई। राज्य स्वास्थ्य विभाग, कोलकाता म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन (केएमसी) और आईसीएमआर की टीमों ने स्कूल के किचन और पानी के सैंपल एकत्र किए।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा- संतान अपनी जिंदगी के फैसले लेने के लिए स्वतंत्र

बच्चे माता-पिता की संपत्ति नहीं, बालिग बेटी को जीवनसाथी चुनने की है आजादी

मुंबई, एजेंसी

बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच ने एक अहम फैसले में कहा कि बालिग बच्चे माता-पिता की संपत्ति नहीं हैं और उन्हें अपनी जिंदगी के अहम फैसले लेने की स्वतंत्रता है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कोई बालिग महिला अपनी इच्छा से किसी व्यक्ति के साथ रहना चाहती है, तो उसकी कस्टडी मांगने के लिए हेबियस कॉर्पस याचिका तभी सफल हो सकती है, जब उसकी गैर-कानूनी हिरासत साबित हो।

मामला नागपुर की एक महिला की याचिका से जुड़ा था। मां ने अपनी बेटी की कस्टडी की मांग की थी। बेटी 17 साल की उम्र में ट्यूशन जाने की बात कहकर घर से निकली थी और बाद में एक युवक के साथ जाती दिखाई दी। पुलिस ने उसे तलाशकर मां के पास पहुंचाया, लेकिन कुछ समय बाद वह फिर घर से चली गई।

सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने बेटी से सीधे बात की। उसने बताया कि वह अपनी इच्छा से युवक के साथ रह रही है और उसी के साथ रहना चाहती है। इस पर कोर्ट ने उसकी वर्तमान स्थिति और स्वतंत्र इच्छा को महत्व दिया।

कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि कस्टडी मामलों में बच्चे का कल्याण सर्वोपरि है। यह माता-पिता के अधिकारों से ऊपर है। चूंकि मामले में गैर-कानूनी हिरासत साबित नहीं हुई, इसलिए कोर्ट ने मां की याचिका खारिज कर दी।

बेटी की इच्छा को कोर्ट ने दिया महत्व

हेबियस कॉर्पस एक कानूनी उपाय है, जिसका इस्तेमाल किसी व्यक्ति की कथित गैर-कानूनी हिरासत के खिलाफ किया जाता है। इस मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच ने स्पष्ट किया कि केवल माता-पिता का यह कहना पर्याप्त नहीं है कि उनकी संतान उनके साथ रहे। अदालत को यह देखना होता है कि संबंधित व्यक्ति की हिरासत वास्तव में गैर-कानूनी है या नहीं। सुनवाई के दौरान बेटी ने कोर्ट को बताया कि वह अपनी इच्छा से युवक के साथ रह रही है। कोर्ट ने उसकी स्वतंत्र इच्छा और कल्याण को महत्व दिया। अदालत ने कहा कि बालिग संतान अपने जीवन और व्यक्तिगत फैसलों के लिए स्वतंत्र है। चूंकि गैर-कानूनी हिरासत साबित नहीं हुई, इसलिए मां की कस्टडी याचिका को स्वीकार करने का आधार नहीं बना।

लापता इंसान कोई भी हो, तुरंत एफआईआर करो : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने लापता लोगों के मामलों में तत्काल एफआईआर दर्ज करने के अपने आदेश को लेकर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह निर्देश हर लापता व्यक्ति पर लागू है, चाहे उसकी उम्र या लिंग कुछ भी हो। कुछ राज्यों द्वारा 'व्यक्ति' शब्द का अर्थ केवल लापता बच्चों तक सीमित करने पर पीठ ने हैरानी जताई। आदेश का पालन नहीं करने वाले राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों व पुलिस महानिदेशकों को अवमानना नोटिस जारी किया गया है। उन्हें अगली सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से पेश होकर हलफनामा देना होगा। मामले की अगली सुनवाई 5 सितंबर को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और आर. महादेवन की पीठ ने जी. गणेश की याचिका पर दिया। उनकी बेटी 2011 में चेन्नई से लापता हुई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 22 मई को देशभर की पुलिस को लापता लोगों की शिकायत पर तुरंत एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने एफआईआर में अपहरण या मानव तस्करी से जुड़ी धाराएं शामिल करना अनिवार्य किया गया है।

रेप केस में काट रहा उम्रकैद की सजा

बेंगलुरु जेल में बंद प्रज्वल रेवन्ना के पास फोन, पेन ड्राइव मिली

बेंगलुरु, एजेंसी

बेंगलुरु की परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल में मंगलवार को सेंट्रल क्राइम ब्रांच ने छापेमारी की। इसमें पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के पास मोबाइल और पेन ड्राइव मिली है। जेल डीजीपी अलोक कुमार ने आज इसकी जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की जांच चल रही है। सेंट्रल जेल के एसपी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है और असिस्टेंट सुपरिंटेंडेंट को सस्पेंड किया गया है। प्रज्वल जनता दल (सेक्युलर) के विधायक एचडी रेवन्ना का बेटा और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा का पोता है। वह रेप केस में उम्रकैद की सजा काट रहा है।

अगस्त 2025 में उम्रकैद की सजा

प्रज्वल के परिवार के फार्महाउस में काम करने वाली 47 साल की महिला ने अप्रैल 2024 में उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। उसने प्रज्वल पर 2021 से कई बार रेप करने और किसी को भी घटना के बारे में बताने पर वीडियो लीक करने की धमकी देने के आरोप लगाए थे।

मां की कमी महसूस करता हूं: मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा का विमोचन किया। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति की जमकर

तारीफ की और उनके जीवन संघर्ष को प्रेरणा बताया। इस दौरान पीएम मोदी ने अपनी मां का भी जिक्र किया और उनका जिक्र कर भावुक भी हुए।

पीएम मोदी ने कहा, 'मैंने उनके जीवन को जितना समझा है, उनकी कार्यक्षमताओं को जितना जाना है, मैं विश्वास से कह सकता हूं कि रामनाथ कोविंद की आत्मकथा भारतीय लोकतंत्र और भारतीय समाज की धरोहर बनेगी।' इसके बाद पीएम मोदी ने कहा, 'रामनाथ कोविंद ने छोटी सी उम्र में मां को खो दिया। मैं तो भाग्यशाली रहा हूं कि मेरी मां 100 वर्ष से अधिक जीवित रहीं और मुझे आशीर्वाद देती रहीं, इसके बावजूद मैं मां की कमी महसूस करता हूं। ऐसे हालात में कोई भी टूट सकता है, लेकिन रामनाथ कोविंद को उन मुश्किल हालात ने और मजबूत बनाया।'

मुकेश अंबानी परिवार भारत में सबसे धनी, गौतम अदाणी पहली पीढ़ी के कारोबारियों में शीर्ष पर

नई दिल्ली/मुंबई, एजेंसी

हुरुन की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, मुकेश अंबानी का परिवार 2026 में भी भारत का सबसे धनी कारोबारी परिवार बना हुआ है। संपत्ति में 8.5% की गिरावट के बावजूद अंबानी परिवार की कुल संपत्ति 25.8 लाख करोड़ रुपए रही। वहीं, गौतम अदाणी का परिवार 19.6 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ पहली पीढ़ी के कारोबारियों में सबसे ऊपर रहा। एयरटेल के प्रवर्तक सुनील भारती मित्तल का परिवार 12.1 लाख करोड़ रुपए के साथ तीसरे और कुमार मंगलम बिड़ला का

परिवार 8.14 लाख करोड़ रुपए के साथ चौथे स्थान पर रहा।

2026 बार्कलेज प्राइवेट क्लाइंट्स हुरुन इंडिया मोस्ट वैल्यूएबल फैमिली बिजनेसेज लिस्ट' के अनुसार, भारत के शीर्ष 300 पारिवारिक कारोबारों का कुल मूल्य 1.46 ट्रिलियन डॉलर यानी करीब 138 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया है। हुरुन इंडिया के संस्थापक अनस रहमान जुनैद के मुताबिक, इन कारोबारों ने पिछले दो वर्षों में रोजाना औसतन 4,076 करोड़ रुपए का मूल्य जोड़ा।

रिपोर्ट में सबसे तेज संपत्ति बढ़ाने वाले परिवारों में शाही एक्सपोर्ट्स का आहूजा परिवार शामिल है। उनकी संपत्ति तीन साल में 352% बढ़कर 37,500 करोड़ रुपए हो गई। गरवारे हाई-टेक फिल्म्स के गरवारे परिवार की संपत्ति भी 300% बढ़कर 15,600 करोड़ रुपए हो गई।

मेट्रो एंकर

महाराष्ट्र के आदिवासी गांव की तस्वीर ने खोली विकास के दावों की पोल

बारिश में खुले मैदान में जल रही चिता, ऊपर से तिरपाल ताने खड़े थे लोग

हरिद्वार, एजेंसी

ठाणे जिले के शाहपुर तालुका की आदिवासी बस्ती उंभरई में बारिश के बीच अंतिम संस्कार की तस्वीर ने सरकारी दावों पर सवाल खड़े कर दिए। ग्राम पंचायत समिति सदस्य जयाबाई महादू वाघ की बीमारी से मौत के बाद गांव में श्मशानभूमि नहीं होने के कारण उनका अंतिम संस्कार खुले मैदान में करना पड़ा। मंगलवार को अंतिम संस्कार के दौरान तेज बारिश शुरू हो गई और चिता की आग बुझने लगी। ग्रामीणों ने तिरपाल तानकर चिता को बारिश से बचाया और अंतिम संस्कार पूरा किया। करीब 100 आबादी वाली बस्ती के लोगों का कहना है कि वे करीब दो साल से श्मशान के लिए जमीन और सुविधा की मांग कर रहे हैं, लेकिन समाधान नहीं हुआ। बारिश में कीचड़ और पानी के बीच अंतिम संस्कार करना उनकी मजबूरी बनी हुई है।

करीब दो साल से श्मशान की मांग, फिर भी नहीं मिला समाधान

उंभरई की आदिवासी बस्ती में श्मशानभूमि की सुविधा के लिए ग्रामीण पिछले दो साल से प्रशासन से मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों के मुताबिक, शाहपुर के तत्कालीन तहसीलदार परमेश्वर कालूसे ने करीब दो साल पहले गांव में श्मशान के लिए जगह का निरीक्षण भी किया था। उस समय जल्द सुविधा उपलब्ध कराने की बात कही गई थी, लेकिन अब तक निर्माण नहीं हुआ। ग्रामीणों का कहना है कि 100 लोगों की आबादी होने के बावजूद अंतिम संस्कार के लिए उन्हें खुले मैदान पर आज भी निर्भर रहना पड़ता है। बारिश के मौसम में स्थिति और खराब हो जाती है। कीचड़, पानी और तेज बारिश के बीच शव का अंतिम संस्कार करना ग्रामीणों के लिए कठिन हो जाता है।

शाहपुर के 250 से ज्यादा गांवों में सुविधाओं का संकट

ग्रामीणों के अनुसार, शाहपुर तालुका के 250 से ज्यादा गांवों में श्मशानभूमि से जुड़ी समस्याएं बनी हुई हैं। कई जगह श्मशान के लिए जमीन उपलब्ध नहीं है, जबकि कुछ स्थानों पर बजट की कमी के कारण काम आगे नहीं बढ़ पाया। तालुका में 110 ग्राम पंचायतें, 227 राजस्व गांव और 414 ग्रामीण बस्तियां हैं। दूरदराज के इलाकों में सड़क सुविधा भी बड़ी समस्या है। बरसात के दिनों में कई ग्रामीणों को शवों को अंतिम संस्कार स्थल तक पहुंचाने के लिए नाले और नदी पार करनी पड़ती है। ऐसे हालात में अंतिम संस्कार की प्रक्रिया कठिन हो जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन को स्थायी समाधान के लिए योजना बनाकर जल्द ही काम शुरू करना चाहिए। शाहपुर में करोड़ों द्भह्लब्, के विकास कार्यों और योजनाओं की चर्चा के बीच आदिवासी बस्तियों की जमीनी तस्वीर अलग कहानी बयां करती है। ग्रामीणों के मुताबिक, कई बस्तियों में आज भी सड़क, पानी, बिजली, स्वास्थ्य और श्मशान जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी है। उंभरई में जयाबाई महादू वाघ के अंतिम संस्कार के दौरान बारिश से बचाने के लिए ग्रामीणों का तिरपाल तानकर खड़ा होना समस्या की गंभीरता सामने लाता है। ग्रामीणों का कहना है कि अंतिम संस्कार के लिए सुरक्षित और व्यवस्थित जगह उपलब्ध होना बेहद जरूरी है। उनका आरोप है कि लंबे समय से मांग के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ।

अमेरिकी वीजा के लिए दिखाई फर्जी डिग्री और बैंक बैलेंस, आंध्र प्रदेश के युवक पर FIR दर्ज

नई दिल्ली। अमेरिकी वीजा हासिल करने के लिए फर्जी डिग्री, नकली बैंक बैलेंस और झूठे नौकरी के दस्तावेज पेश करने के आरोप में दिल्ली पुलिस ने आंध्र प्रदेश के 25 वर्षीय युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। मामला अमेरिकी दूतावास की शिकायत पर चाणक्यपुरी थाने में दर्ज हुआ।

युवक ने गैर-आप्रवासी वीजा के इंटरव्यू के लिए दूतावास पहुंचा था। उसने राजस्थान के एक विश्वविद्यालय की डिग्री, मार्कशीट, ट्रांसक्रिप्ट और अन्य प्रमाणपत्र जमा किए। दस्तावेजों में कंप्यूटर्स में बैचलर ऑफ कॉमर्स की पढ़ाई पूरी करने का दावा था। उसने 35 हजार रुपए मासिक वेतन वाला अप्रेजल लेटर और करीब ढाई साल का अनुभव प्रमाणपत्र भी लगाया। आर्थिक स्थिति मजबूत दिखाने के लिए युवक ने 1.2 करोड़ रुपए की नेटवर्थ और बैंक खातों में 45 लाख व 50 लाख रुपए का बैलेंस दिखाया। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि बैंक स्टेटमेंट और रोजगार संबंधी दस्तावेज फर्जी थे। दूतावास की शिकायत के बाद आरोपी को पुलिस को सौंप दिया गया। पुलिस ने धोखाधड़ी और जालसाजी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564